RNI. Reg. No. CHHHIN/2009/30534
डाक पंजीयन क्रं.-छ.ग./ दुर्ग /94/2020-22

सांध्य दैनिक

श्रीकंचनपथ

लीपा पोती नहीं सिर्फ सच

वर्ष- 14 अंक - 130 | www.shreekanchanpath.com | संस्थापक एवं प्रेरणास्रोत- स्व. श्रीमती रजनी अग्रवाल | भिलाई, बुधवार 22 फरवरी 2023 | पृष्ठ 8- मूल्य 1/-

पत्नी की हत्या कर पति ने कर ली खुदकुशी
दो दिन पहले ही दोनों ने की थी लव मैरीज

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। राजधानी रायपुर के टिकरापारा क्षेत्र में हत्या की हैरान कर देने वाली घटना सामने आई है। दो दिन पहले जिस कपल ने लव मैरीज की थी मंगलवार रात को उनके खून से लथपथ लाश कमरे में मिले। बताया जा रहा है कि मंगलवार को इनकी शादी का रिसेप्शन रखा गया और इस बीच दोनों के बीच ऐसा विवाद हुआ जिससे इतनी बड़ी घटना हो गई। पति ने पहले पत्नी की हत्या की और उसके बाद खुद भी आत्महत्या कर ली। मामला रायपुर के टिकरापारा क्षेत्र की है। सूचना के बाद पुलिस ने मामले की जांच शुरू कर दी है।

मिली जानकारी के अनुसार मामला टिकरापारा थाना क्षेत्र के संतोषी नगर इलाके से लगे बृज नगर का है। यहां रहने वाला असलम ने राजातालाब इलाके की रहने वाली कहकशां बानो के साथ 19 फरवरी को निकाह किया था। दोनों ने लव मैरीज की थी। मंगलवार को इन लोगों ने शादी की रिसेप्शन रखी थी। मेहमानों को न्योता दे दिया गया और दिनभर यहां रिसेप्शन की तैयारी की जा रही थी। घर में खुशी का माहौल था। मंगलवार रात को अचानक असलम के घर से चीख पुकार सुनाई दी।

घर पर मौजूद असलम की मां ने दरवाजा खोलने की कोशिश लेकिन दरवाजा अंदर से बंद था। चीख की आवाज सुनकर असलम की मां खिड़की के पास पहुंची तो अंदर का नजारा देख कर सहम गई। फर्स पर असलम व उसकी नई नवेली बहू कहकशा बानों की लाशें पड़ी थी और पूरा कमरा खून-खून हो गया। घटना की सूचना मिलने के बाद मौके पर पहुंची पुलिस दोनों के शवों को पीएम के लिए भेजा।

शुरुआती जांच में सामने आया कि दोनों के बीच विवाद हुआ। विवाद के बाद असलम ने चाकू से कहकशा पर वार कर दिया। इसके बाद असलम ने खुद पर वार कर लिया। पुलिस को यह भी आशंका है दोनों ने एक दूसरे पर वार किया। बहरहाल दोनों के शव मिले हैं और पुलिस इसकी बारीकी से जांच कर रही है। फिलहाल पुलिस का यही कहना है कि असलम ने अपनी पत्नी की हत्या के बाद खुदकुशी कर ली। सीएसपी राजेश चौधरी ने बताया कि पुलिस की जांच जारी है जल्द पति पत्नी के बीच के विवाद कारण भी सामने आएगा। परिजनों से पूछताछ की जा रही है।

खास खबर...

भीमराव अम्बेडकर चिकित्सालय में शुरू हुई एंजियोग्राफी-एंजियोप्लास्टी की सुविधा, मरीजों को मिलेगी राहत

रायपुर। रायपुर के पंडित जवाहरलाल नेहरू स्मृति चिकित्सा महाविद्यालय और डॉ. भीमराव अम्बेडकर स्मृति चिकित्सालय रायपुर स्थित एडवांस्ड कार्डियक इंस्टीट्यूट के कार्डियोलॉजी विभाग में मरीजों के हृदय की नसों में ब्लॉकेज का पता लगाने से संबंधित जांच-एंजियोग्राफी और ब्लॉकेज को बैलून एवं स्टंट खोलने की प्रक्रिया एंजियोप्लास्टी की सुविधा मरीजों को मिलनी शुरू हो गई है।

डॉ. बीआर चिकित्सालय के चिकित्सा अधीक्षक डॉ. एसबीएस नेताम ने बताया कि पिछले सप्ताह आयुष्मान भारत योजना के अंतर्गत किये जाने वाले भुगतान की प्रक्रिया में तकनीकी परेशानी के कारण कुछ समय से एंजियोग्राफी जांच एवं एंजियोप्लास्टी प्रक्रिया प्रभावित हुआ था, जो अब पूरी तरह से ठीक हो चुका है। वर्तमान समय में हार्ट के मरीजों को एंजियोग्राफी जांच और एंजियोप्लास्टी इलाज की सुविधा मिल रही है।

रायपुर से पारिवारिक कार्यक्रम से लौट रहा परिवार सड़क हादसे का शिकार, चार की मौत

दुर्ग संभाग के बालोद जिले में आज एक दर्दनाक सड़क हादसे में चार लोगों की मौत हो गई। देर रात गुंडरदेही थाना क्षेत्र के ग्राम खप्परवाड़ा के पास ट्रक ने कार को टक्कर मार दी जिससे ड्राइवर सहित चार लोगों की मौके पर ही मौत हो गई। मृतकों में चालक सहित एक महिला और दो पुरुष शामिल हैं। पुलिस के मुताबिक टक्कर के बाद कार पूरी तरह ट्रक में घुस गई थी। मौके पर ही चारों ने दम तोड़ दिया। सभी की बॉडी कार में फंसी हुई थी। गैस कटर का इस्तेमाल कर चार से पांच घंटे की मशक्कत के बाद शवों को बाहर निकाला गया। आज पोस्टमॉर्टम की प्रक्रिया पूरी की जाएगी।

पारिवारिक कार्यक्रम समाप्त होने के बाद वापसी के दौरान इनकी गाड़ी खराब होने पर एक निजी ट्रैवल से कार बुक किया और वापस लौट रहे थे और हादसे का शिकार हो गई। ट्रक आयरन ओर से भरा था जो रायपुर की ओर जा रहा था। टक्कर इतनी भीषण थी कि कार के परखच्चे उड़ गए। चारों के शव कार में ही फंसे रहे। वाहन को सड़क से किनारे लाने के लिए पुलिस को रात भर मशक्कत करनी पड़ी। सभी के शव

बुरी तरह कार में ही फंसे थे। गैस कटर से कार की बॉडी को काटकर शवों को बाहर निकाला गया। मृतकों में सलूजा परिवार की पत्नी सिमरन कौर, बेटा राजवीर सलूजा, चालक सहित एक अन्य की मौके पर ही मौत हो गई, पुलिस की जांच जारी है।

गुण्डरदेही थाना प्रभारी अरुण साहू ने बताया कि सलूजा परिवार रायपुर से पारिवारिक कार्यक्रम के बाद वापस बालोद लौट रहा था तभी खप्परवाड़ा गांव के पास आयरन ओर से भरे ट्रक ने उन्हें अपनी चपेट में ले लिया। सलूजा परिवार के अन्य सदस्यों से जब इस पूरे मामले में बात की गई तो पता चला कि वे अपनी ही कार से रायपुर गए हुए थे ।

गर्मी का हुआ एहसास, तैयारियां शुरू...

दुर्ग। गर्मी शुरू होने के साथ ही अब उसकी तैयारियां शुरू होने लगी है। एक तरफजहां प्यास बुझाने के लिए ठंडे पानी के लिए रंग-बिरंगे मटके तैयार किए जा रहे हैं। वही ठंडी हवा के लिए कूलर आदि भी तैयार हो रहे हैं।

फोटोजर्नलिस्ट-गौकरण निषाद

घटती जनसंख्या ने बढ़ाई सरकार की टेंशन
जन्म दर में वृद्धि के लिए किया नीति में बदलाव

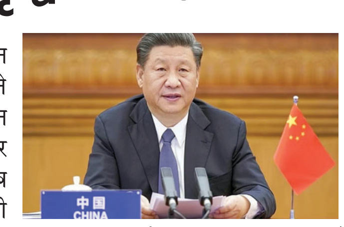

बीजिंग (एजेंसी)। चीन की घटती जनसंख्या ने जिनपिंग सरकार की टेंशन बढ़ा दी है। देश में जन्म दर को बढ़ावा देने के लिए अब नई-नई स्कीम लाई जा रही है। इसी क्रम में चीन ने नवविवाहित जोड़ों के लिए शानदार योजना लेकर आई है जिसके तहत इन जोड़ों को 30 दिनों की पेड मैरिज लीव दी जाएगी ताकि पति-पत्नी आपस में समय बिता सके और जनसंख्या बढ़ाने में भागीदार बन सके। बता दें कि पहले चीन में शादी के लिए मात्र तीन दिनों की पेड लीव मिलती थी। लेकिन जब यहां तेजी से जनसंख्या घटने लगी तो मजबूरन सरकार को अपनी नीति में बदलाव करनी पड़ी।

परिवर्तन का उद्देश्य युवा जोड़ों को शादी करने और बच्चे पैदा करने के लिए प्रोत्साहित करना है। चीन के कुछ प्रांत जहां 30 दिन की शादी की छुट्टी दे रहे हैं वहीं अन्य में करीब 10 दिन की छुट्टी का प्रावधान है। गांसु और शांक्सी प्रांत 30 दिन दे रहे हैं, जबकि शंघाई 10 और सिचुआन अभी भी केवल तीन दिन की दे रहे हैं। समाचार एजेंसी रॉयटर्स से बात करते हुए साउथवेस्टर्न यूनिवर्सिटी ऑफ फाइनेंस एंड इकोनॉमिक्स के सामाजिक विकास अनुसंधान संस्थान के डीन, यांग हैयांग ने कहा कि शादी की छुट्टी बढ़ाना प्रजनन दर बढ़ाने के प्रभावी तरीकों में से एक है।

जनसंख्या पर सख्त नीति पर उल्टा चीन पर पड़ रहा भारी

1980 से 2015 तक सख्त एक-बच्चे की नीति लागू करने के कारण चीन की जनसंख्या में गिरावट आई है। 2022 में, चीन ने प्रति 1,000 लोगों पर 6.77 जन्म की अपनी सबसे कम जन्म दर दर्ज की, जिसके बारे में विशेषज्ञों का मानना है कि देश की अर्थव्यवस्था पर वित्तीय प्रभाव पड़ा है। देश को अभूतपूर्व और तेजी से बढ़ती आबादी की बोझिल चुनौती का भी सामना करना पड़ रहा है। चीन द्वारा घोषित जनसंख्या अनुमानों के अनुसार, उसकी आबादी में पिछले वर्ष 8.5 लाख की गिरावट आई। वर्ष 1960 के बाद चीन की जनसंख्या में इस तरह की गिरावट पहली बार आई है।

मेडिकल कॉलेज की बड़ी लापरवाही: दो मरीजों को चढ़ा दी एक्सपायरी ड्रीप की बोतल, बेटे की पड़ी नजर और बची जान

श्रीकंचनपथ न्यूज

कोरबा। कोरबा मेडिकल कॉलेज अस्पताल में कर्मचारियों की लापरवाही के कारण मरीजों की जान जोखिम में आ गई। दरअसल महिला कर्मियों ने एक बुजुर्ग समेत दो मरीजों को एक्सपायरी डेट की ड्रिप लगा दी। यह ड्रिप पूरी तरह से शरीर में जाता इससे पहले परिजन की नजर ड्रिप में दर्ज तिथि पर पड़ गई। इसकी भनक लगते ही स्वास्थ्य कर्मी सकते में आ गए। उन्होंने आनन-फानन में ड्रिप को बदल दिया। मामले की गंभीरता को देखते हुए प्रबंधन ने वार्ड इंचार्ज और नर्स को शो कॉज नोटिस जारी करते हुए तत्काल अन्यत्र अटैच कर दिया है।

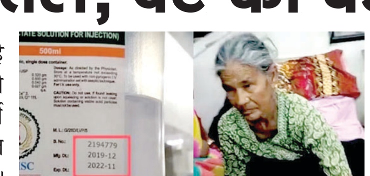

बताया जा रहा है कि सीएसईबी कॉलोनी निवास एक बुजुर्ग महिला की तबीयत अचानक बिगड़ गई। परिवार वालों ने उसे इलाज के लिए मेडिकल कॉलेज अस्पताल में भर्ती कराया। जहां उसका उपचार सप्ताह भर से प्रथम तल स्थित महिला वार्ड में चल रहा था। उनकी तबीयत में लगातार उपचार के बाद काफी हद तक सुधार भी आ गया।

रविवार की रात बुजुर्ग महिला के साथ उनका पुत्र वार्ड में मौजूद था। इस दौरान रात्रि पाली में तैनात महिला स्वास्थ्य कर्मी वार्ड में पहुंची और बुजुर्ग महिला को ड्रिप लगाकर अपने काम में व्यस्त हो गई। यह ड्रिप महिला के शरीर में पूरा जा पाता इससे पहले उनके पुत्र की नजर ड्रिप के बोतल में लगे रेपर पर पड़ी। उस में दर्ज तिथि को देखते हुए पुत्र के होश उड़ गए। दरअसल ग्लूकोज के ड्रिप में निर्माण तिथि दिसंबर 2019 और एक्सपायरी डेट नवंबर 2022 दर्ज था। लिहाजा बुजुर्ग मरीज को लगाया हुआ ड्रिप एक्सपायर हो गया था।

इसकी जानकारी मरीज के पुत्र ने तत्काल नर्स रूम में पहुंच कर दी। जानकारी होते ही ड्यूटी में तैनात कर्मचारियों के होश उड़ गए। सभी भागते हुए मरीज के पास पहुंचे और उन्होंने ड्रिप के बोतल को देखा तो बात सही निकली। महिला स्वास्थ्य कर्मियों ने तत्काल ड्रिप को हटा दिया इसके साथ ही अन्य मरीज को लगाए गए ड्रिप की जांच पड़ताल की गई। जांच करने पर एक अन्य मरीज को भी लगा ड्रिप एक्सपायरी मिला जिसे हटाकर दूसरा ड्रिप लगाया गया।

इस संबंध में मेडिकल कॉलेज के अधिष्ठाता डॉ. अविनाश मेश्राम से जानकारी ली गई तो उन्होंने बताया कि मामले में दो कर्मचारियों को शोकाज नोटिस जारी करते हुए अन्यत्र अटैच किया गया है। जांच उपरांत दोषियों के खिलाफसख्त कार्रवाई की जाएगी।

छत्तीसगढ़ के मनोनीत राज्यपाल विश्व भूषण हरिचंदन राजधानी रायपुर पहुंचे, सीएम बघेल ने आत्मीय स्वागत किया

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। छत्तीसगढ़ के मनोनीत राज्यपाल विश्व भूषण हरिचंदन आज सवेरे राजधानी रायपुर के स्वामी विवेकानंद विमानतल पहुंचे। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने विमानतल परिसर स्थित नवीन स्टेट हैंगर में पुष्पगुच्छ भेंट कर उनका आत्मीय स्वागत किया। राज्यपाल को गार्ड आफ ऑनर देकर सम्मानित किया गया। उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ हाई कोर्ट के माननीय मुख्य न्यायाधीश अरुप कुमार गोस्वामी राजभवन में 23 फरवरी को सवेरे 11:30 बजे उन्हें शपथ दिलाएंगे।

इस अवसर पर विधानसभा अध्यक्ष डॉ. चरणदास महंत, नेता प्रतिपक्ष नारायण चंदेल, स्कूल शिक्षा मंत्री डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम, छत्तीसगढ़ गृह निर्माण मंडल के अध्यक्ष कुलदीप जुनेजा, रायपुर महापौर एजाज ढेबर सहित अनेक जनप्रतिनिधि, मुख्य सचिव अमिताभ जैन, पुलिस महानिदेशक अशोक जुनेजा, अपर मुख्य सचिव सुब्रत साहू, रायपुर संभाग के आयुक्त यशवंत कुमार, मुख्यमंत्री के सचिव सिद्धार्थ कोमल सिंह परदेशी, आईजी अजय यादव, कलेक्टर रायपुर सर्वेश्वर नरेंद्र भुरे, वरिष्ठ पुलिस अधीक्षक प्रशांत कुमार अग्रवाल और वरिष्ठ अधिकारी भी उपस्थित थे। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने स्टेट हैंगर में छत्तीसगढ़ के मनोनीत राज्यपाल विश्व भूषण हरिचंदन का स्वागत करने के बाद मीडिया प्रतिनिधियों से चर्चा करते हुए कहा कि छत्तीसगढ़ के मनोनीत राज्यपाल विश्व भूषण हरिचंदन अनुभवी राजनेता हैं। वे पांच बार विधायक रहे, अनेक विभागों के मंत्री रहे और राज्यपाल के रूप में भी उन्होंने अपनी सेवाएं दी। छत्तीसगढ़ को उनके अनुभवों का लाभ मिलेगा।

प्रेम की धरती और प्यार पर पहरा

श्रीकंचनपथ

पौराणिक काल से ही भारत प्रेम को ईश्वरीय अनुभूति मानता आया है. हम ईश्वर से प्रेम करते हैं। उसके आगे अपना दिल खोल कर रख देते हैं। हम ईश्वर को अपना सर्वस्व सौंप देते हैं। परिवार, समाज सबकुछ छोड़कर संन्यासी तक हो जाते हैं। पर इसी प्रेम पर तब पहरा बैठ जाता है जब बात विवाह की आती है। देवी-देवताओं से लेकर इतिहास में प्रसिद्ध हुए कई राजाओं ने भी प्रेम विवाह किया था। आदिवासी अंचलों में अपना जीवनसाथी चुनने की अनेक रस्में हैं। इतिहास प्रसिद्ध बस्तर की घोटुल परम्परा अपना जीवन साथी चुनने का अधिकार युवक और युवती दोनों को देती है। फिर ऐसा क्या हुआ कि आधुनिक समाज प्रेम विवाह के खिलाफ हो गया। उच्च समाज में तो बेटियां जिन्सों की तरह हो गई जहां मूंछों के ताव पर बेटियों का लेनदेन होने लगा। जिसने भी इस व्यवस्था को तोड़ने की कोशिश की, उसकी जान पर बन आई। इसे ऑनर किलिंग नाम दिया गया- सम्मान के लिए हत्या। कहीं हत्या सिर्फ बेटी की हुई तो कहीं नवदंपति को साथ-साथ फांसी पर लटका दिया गया। नेशनल क्राइम रिकार्ड ब्यूरो के अनुसार 2017 से 2018 के बीच देशभर में ऑनर किलिंग के 25 मामले दर्ज किये गये। ऑनर किलिंग के क्षेत्र में काम कर रही एक एनजीओ के आंकड़े इससे अलग हैं। 2019 के लिए जुटाए गए उसके आंकड़े बताते हैं कि अकेले तमिलनाडु राज्य में ऑनर किलिंग की 195 घटनाएं हुई हैं। रिपोर्ट के अनुसार अकेले नवम्बर 2022 में ऑनर किलिंग के तीन मामले सामने आए। जाहिर है कि इनमें से अधिकांश मामलों में पुलिस ऑनर किलिंग के एंगल को रिपोर्ट में शामिल नहीं करती। छत्तीसगढ़ प्रेम की धरती रही है। मनखे-मनखे एक समान का संदेश दुनिया को देने वाले छत्तीसगढ़ की भूमि भी अब प्रेमियों के खून से लाल हो रही है। बिलासपुर के पचपेड़ी थाना क्षेत्र में एक ऐसी ही घटना सामने आई है। जांजगीर चांपा के पामगढ़ क्षेत्र के हेड़सपुर निवासी प्रेमी युगल ने प्रेम विवाह कर लिया। दोनों एक ही समाज से हैं। लड़के के घरवालों ने इसे स्वीकार भी कर लिया। पर लड़की वालों को यह शादी रास नहीं आई। वे हथियारबंद होकर उसके ससुराल पहुंच गए। लड़की ने उनके साथ घर लौटने से इंकार कर दिया तो उसपर हमला कर दिया। ससुराल पक्ष भी अपनी बहू को बचाने के लिए सामने आ गया। दोनों पक्षों के बीच जमकर मारपीट हुई। इसमें हथियारों का भी उपयोग किया गया। खूनखराबे के बाद पुलिस पहुंची और दोनों पक्षों के लोगों को उठाकर थाने ले गई। दरअसल, जैसे-जैसे दिन बीत रहे हैं, पुरुषवादी सोच हावी होती जा रही है। समाज में शकुनियों की संख्या बढ़ती जा रही है। समाज के कथित कर्णधार बीच बचाव करने की बजाय लोगों को उकसाने और भड़काने में लगे हैं। समाज का यही विघटन भारत की गुलामी का कारण बना था। ऐसा टूटा-फूटा समाज किसी खंडहर के समान होता है जहां उल्लुओं का बसेरा, आज नहीं तो कल होना तय है।

संपादकीय

बर्बरता की पराकाष्ठा

निक्की यादव हत्याकांड से जुड़े छह लोगों की गिरफ्तारी के बाद दिल्ली पुलिस ने जिस तरह के खुलासे किए हैं, वे रोंगटे खड़े करने वाले हैं। यह पूरा घटनाक्रम किसी त्रासद फिल्मी पटकथा से कम नहीं। बकौल पुलिस, इस कत्ल को अंजाम देने में पूरा परिवार शामिल था। पुलिस ने निक्की के पति और मुख्य आरोपी साहिल गहलोत, उसके पिता व चचेरे-मौसेरे भाइयों की भूमिका के बारे में जैसी-जैसी बातें बताई हैं, उनसे साफ प्रतीत होता है कि यह अकेले साहिल की करतूत नहीं है। मगर इस हत्याकांड का चिंताजनक पहलू यह भी है कि एक पूरा कुनबा नृशंस आपराधिक मानसिकता को जीता रहा और समाज इससे पूरी तरह गाफिल रहते हुए उसके जश्न में शरीक होता रहा। बर्बरता की इंतिहा देखिए कि इसी खानदान के एक शख्स ने, जिसने लोगों के जान-माल की हिफाजत की शपथ उठाकर खाकी वरदी पहनी थी, कथित हत्यारों को निक्की का शव फ्रीज में रखने की सलाह दी और उसके बाद वे साहिल की बारात लेकर निकल पड़े! निस्संदेह, यह अमानवीयता की पराकाष्ठा है। महरौली के श्रद्धा वाल्कर हत्याकांड को अभी लोग भूले भी नहीं थे कि इस नए प्रकरण ने हरेक संजीदा इंसान को हिलाकर रख दिया है। श्रद्धा की हत्या का आरोप उसके लिव-इन पार्टनर आफताब पूनावाला पर है, और उस कत्ल की प्रकृति ने समाज में ऐसे रिश्तों की मंजूरी पर गंभीर बहस खड़ी कर रखी है, कुछ कट्टरपंथियों और संकीर्णतावादियों ने तो उस दुखद घटना से सांप्रदायिक ध्रुवीकरण के मसाले भी जुटा लिए। मगर निक्की हत्याकांड ने फिर से यह साबित किया कि अपराधियों की कोई जाति, धर्म या रंग-रूप नहीं होता। इन दोनों हत्याकांडों से इतर भी हाल के दिनों में हत्या की ऐसी-ऐसी वजहें सामने आई हैं, जो कानून-व्यवस्था बनाए रखने वाली एजेंसियों के साथ-साथ शासन और समाज की परेशानी बढ़ाने वाली हैं। निक्की की हत्या के पीछे जिस तरह से षड्यंत्र बुने गए, वे शातिर दिमागों की ही उपज हो सकते हैं। ऐसे असामाजिक तत्वों को सख्त संदेश न मिला, तो भविष्य में जांच एजेंसियों की चुनौतियां काफी बढ़ जाएंगी। श्रद्धा और निक्की हत्याकांड दो अलग-अलग पृष्ठभूमि के अपराध हैं, मगर ये दोनों रिश्तों के उथलेपन को समान रूप से उजागर करते हैं। प्रेमी और पति के कातिल बन जाने की इन दोनों वारदातों में खास तौर से लड़कियों के लिए गंभीर संदेश है कि जीवनसाथी के चयन में उन्हें किस किस्म की सावधानी और परिपक्वता दिखानी चाहिए। वे अपनी आजादी और खुदमुख्तारी से समझौता किए बिना यह चयन कर सकती हैं। मगर अपने परिजनों को गफलत या धोखे में रखकर कोई चुनाव अक्लमंदी भरा नहीं हो सकता। बताया जा रहा है कि निक्की ने अपने परिजनों से अपनी शादी छिपाए रखी थी। एक ऐसे दौर में, जब बड़ी संख्या में माता-पिता अपनी बेटियों को खुद से दूर अच्छी शिक्षा और करियर के लिए भेज रहे हैं, ऐसी घटनाएं उन्हें हताश करेंगी। इसलिए जांच एंजेसियों और न्यायपालिका पर यह जिम्मेदारी आयद है कि वे जल्द से जल्द इन लोमहर्षक हत्याकांडों के मुजरिमों को उनके अंजाम तक पहुंचाएं। वे जानती हैं कि इंसाफ में देरी अपराधियों के हौसले बढ़ाती है। दुर्योग से हम अपराधी तत्वों में यह खौफ पैदा करने में लगातार विफल हो रहे हैं कि वे बहुत दिनों तक कानून से बच नहीं सकेंगे। श्रद्धाओं और निक्कियों में भी यह भरोसा पैदा करने की जरूरत है कि वे बेधड़क पुलिस तक अपनी शिकायत लेकर जा सकें।

> “ श्रद्धा और निक्की हत्याकांड दो अलग-अलग पृष्ठभूमि के अपराध हैं, मगर ये दोनों रिश्तों के उथलेपन को समान रूप से उजागर करते हैं। प्रेमी और पति के कातिल बन जाने की इन दोनों वारदातों में खास तौर से लड़कियों के लिए गंभीर संदेश है कि जीवनसाथी के चयन में उन्हें किस किस्म की सावधानी और परिपक्वता दिखानी चाहिए। वे अपनी आजादी और खुदमुख्तारी से समझौता किए बिना यह चयन कर सकती हैं।

नाप-तौल भी जरूरी है

एक रोगी अपने इलाज के लिए शहर के मशहूर डॉक्टर के पास गया। वहां रोगियों की एक लंबी कतार लगी हुई थी। वह रोगी धैर्यपूर्वक प्रतीक्षा करता रहा। आखिरकार उसकी भी बारी आई। डॉक्टर ने विधिवत उसका परीक्षण किया। फिर पुर्जे पर कई दवाइयां लिखीं और उसे समझाया कि मैंने आपके लिए सारे निर्देश लिख दिए हैं। आप उनका पालन करेंगे, ठीक समय पर दवाएं लेंगे, अपने स्वास्थ्य का ध्यान खुद रखना होगा। भोजन में कुछ चीजों की मनाही है, उसका सख्ती से पालन कीजिएगा। रोगी ने सहमति में अपना सिर हिलाया। जब वह उठकर जाने लगा, तो डॉक्टर ने कहा- एक जरूरी बात है और! हर रोज दस हजार कदम चलना नहीं भूलिएगा। घर पहुंचकर रोगी सोचने लगा कि आदमी के जीवन में हिसाब-किताब बहुत ज्यादा है। यह जिंदगी भी तो हमें नाप-तौलकर मिली है। न कम, न ज्यादा। इसी सिद्धांत पर हमें सुख की प्राप्ति होती है। इसी से भोजन में स्वाद पैदा होता है। चुटकी भर नमक कम या ज्यादा हो जाए, तो सारा स्वाद बिगड़ सकता है। यही बात शरीर की सुंदरता पर भी लागू होती है। जिसे हम सुंदरता कहते हैं, वह भी तो मात्राओं का ही खेल है। यदि अनुपात सही हो, तो कोई वस्तु हमें प्रभावित कर सकती है। तराजू के पलड़े जब सम रहते हैं, तभी उनका मूल्यांकन सही होता है। कवियों ने तुला के जरिये मानव चरित्र की परख की है। कवि रहीम कहते हैं, रंचहि सो ऊंचो चढ़ै, रंचहि सो घटि जाए। तुलकोटि खल दुहुन की एकै रीति खलाए। यह तराजू मनुष्य के जीवन का प्रतीक जैसा दिखाई देता है। तराजू के दोनों पलड़े बराबर होने चाहिए। सब कुछ संतुलित और सुचारू रूप से व्यवस्थित हो, तो जीवन सौंदर्य से भर उठता है। यही बात सुंदरता के विषय में भी लागू है। वहां भी इस संगति की आवश्यकता पड़ती है। इसके अभाव में जीवन के तत्व बिखर जाते हैं। यह तुलना न्याय का भी प्रतीक है। सम दृष्टि ही न्याय का आधार बनती है। पुराणों में काशी के तुलाधार वैश्य की कथा आती है, जो व्यापार करते हुए भी सदाचारी और धार्मिक थे। उधर दूर कहीं जाबालि नामक ऋषि घोर तपस्या कर रहे थे। उनके दुर्बल शरीर को वृक्ष समझकर उनके जटाजूट में चिड़ियों ने घोंसले बना लिए। तपस्या के फलस्वरूप ऋषि को दिव्य दृष्टि मिल गई, तो उनके मन में अहंकार आ गया कि मैं सब जान और देख सकता हूं। तभी आकाशवाणी से उन्हें तुलाधार वैश्य के पास जाने की प्रेरणा मिली। वह काशी जाकर तुलाधार से मिले। तुलाधार वैश्य ने उन्हें देखते ही उनकी कहानी बता दी। ऋषि का अहंकार टूटा और उन्हें सदाचार की शक्ति का अनुभव और ज्ञान हुआ कि जीवन की तपस्या जंगल की तपस्या से कहीं बड़ी होती है।

महेंद्र मधुकर

चीन की विषम स्थिति

मार्शल च्यांग काई शेक की सरकार को इधर अत्यन्त विषम और गम्भीर स्थिति का सामना करना पड़ रहा है। जब चीन की राष्ट्रीय सरकार और कम्यूनिस्टों में आपसी समझौते की वार्ता भंग हो गई थी और घरेलू युद्ध का पुन सूत्रपात हो रहा था, तो मार्शल च्यांग ने बड़े दर्प के साथ यह कहा था कि वह छह महीनों में कम्यूनिस्टों के प्रतिरोध को समाप्त कर देंगे। किन्तु उनकी यह भविष्यवाणी न केवल सत्य सिद्ध नहीं हुई, बल्कि उनकी सेनाओं को अनेक मर्तबा भयंकर रूप से पराजित होना पड़ा। उल्टे मार्शल च्यांग के दुश्मन यह कहने लगे हैं कि इस साल के भीतर-भीतर मार्शल च्यांग का पतन हो जायेगा। उनके दुश्मनों की यह भविष्यवाणी सही निकले या न निकले, इस बात से इंकार नहीं किया जा सकता कि उनकी मौजूदा स्थिति काफी नाजुक है।

> “ राष्ट्रपति बाइडन चाहते हैं कि रूस और चीन को किसी न किसी तरह से उलझाए रखा जाए, ताकि उनकी तकनीकी व सैन्य क्षमता अमेरिका के मुकाबले कमतर होती जाए।

अपने-अपने हित साधने की लड़ाई

शशांक, पूर्व विदेश सचिव

सोमवार को अमेरिकी राष्ट्रपति जो बाइडन के अचानक यूक्रेन पहुंच जाने और अगले दिन रूस की संसद में राष्ट्रपति व्लादिमीर पुतिन के संबोधन से रूस-यूक्रेन जंग को लेकर सरगर्मियां तेज हो गई हैं। बाइडन की भाव-भंगिमा जहां आक्रामक लग रही थी और उन्होंने यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की को और अधिक आर्थिक व सैन्य मदद का भरोसा दिया, वहीं पुतिन अपने संबोधन में कुछ रक्षात्मक नजर आए। उनका वही आरोप था कि पश्चिमी देश यूक्रेन में उसी योजना पर काम कर रहे हैं, जिसे उन्होंने इराक और सीरिया में अंजाम दिया था। उन्होंने फिर दोहराया कि वह शांतिपूर्ण समाधान के इच्छुक थे, लेकिन पश्चिमी देशों ने मामला बिगाड़ा और हालात इतने खराब हो गए हैं कि अब जीत ही एकमात्र विकल्प है।

दरअसल, पिछले साल 24 फरवरी को जब मॉस्को ने कीव पर सैन्य हमला बोला था, तब तमाम विश्लेषकों व रणनीतिकारों का मानना था कि यह जंग बहुत जल्द खत्म हो जाएगी। मगर ऐसा नहीं हुआ और युद्ध लंबा खिंचता गया। ऐसे में, यूक्रेन के लोगों की निस्संदेह तारीफ करनी चाहिए कि उन्होंने अपने देश को बचाने के लिए जान लगा दी। हालांकि, एक तथ्य यह भी है कि दूसरे विश्व युद्ध के दौरान कुछ बड़ी लड़ाइयां यूक्रेन के आसपास ही लड़ी गई थीं, जो बताता है कि वहां के लोग अपने अधिकारों की रक्षा के लिए सब कुछ दांव पर लगाना जानते हैं। रूस-यूक्रेन युद्ध इसलिए भी लंबा खिंचता जा रहा है, क्योंकि नाटो के देश, विशेषकर अमेरिका ने यूक्रेन का पूरा साथ दिया। हालांकि, नाटो का यही फैसला था कि वह रूस से सीधे नहीं टकराएगा, इसलिए उसने परोक्ष रूप से यूक्रेन का इतना ही साथ दिया कि पुतिन को जीत न मिल सके और रूस को नाटो देश पर सीधा हमला बोलने का कोई मौका न मिले। इस रणनीति से नाटो को फायदा हुआ है अथवा नुकसान, इसका आकलन तो बाद में किया जाएगा, लेकिन इसने रूस को इस कदर उलझा दिया कि उसके लिए परिस्थितियां प्रतिकूल होती गईं। फिलहाल यूक्रेन के उन इलाकों में जंग चल रही है, जिसे रूस ने अपने कब्जे में लिया था।

बहरहाल, डेमोक्रेट नेता जो बाइडन की यात्रा का यह संदेश नहीं था कि वह यूक्रेन के पीछे खड़े हैं। अमेरिका ने यह संकेत तो युद्ध शुरू होने के साथ ही दे दिया था। दरअसल, अमेरिकी राष्ट्रपति यह मान चले थे कि हाउस ऑफ रिप्रेजेंटेटिव्स (अमेरिकी कांग्रेस के निचले सदन) में रिपब्लिकन बहुमत में आ जाएंगे और इस मसले पर उनकी टांग खींचेंगे, लेकिन म्यूनिख सुरक्षा सम्मेलन में रिपब्लिकन ने यूक्रेन को भरपूर मदद देने की बात कही। इससे जो बाइडन को नई ऊर्जा मिली है। उनको यह महसूस होने लगा है कि यदि कीव को पर्याप्त आर्थिक व सैन्य सहायता दी गई, तो घरेलू राजनीति में उनको फायदा मिल सकता है। उधर, यूक्रेन के राष्ट्रपति वोलोदिमीर जेलेंस्की भी खुद को चर्चिल के कद का नेता समझने लगे हैं। मौजूदा परिस्थिति ने उनका आत्मविश्वास बढ़ाया है। मगर जो थोड़ी-बहुत कसर रह रही थी, वह ब्रिटेन पूरी कर दे रहा है। वह यूरोपीय संघ से बाहर निकलने के बाद यूरोप की मुश्किलों को शायद ही समझना चाहता है। उसकी मंशा नाटो को मजबूत बनाने की है, इसलिए वह एक तरफ अमेरिका को मदद का भरोसा दे रहा है, तो दूसरी तरफ यूक्रेन को भी पीछे न हटने की नसीहतें दे रहा है। वह हंगरी, पोलैंड जैसे देशों को भी यह कहकर कीव की सहायता करने के लिए तैयार कर रहा है कि रूस का अगला निशाना वे बन सकते हैं। इससे कमजोर होते यूक्रेन को नई ताकत मिली है। राष्ट्रपति बाइडन यह भी चाहते हैं कि रूस और चीन को किसी न किसी तरह से उलझाए रखा जाए, ताकि उनकी तकनीकी और सैन्य क्षमता अमेरिका से कमतर होती जाए। वाकई, युद्ध में यूक्रेन को ज्यादा नुकसान हो रहा है, लेकिन रूस को भी कम चोट नहीं पहुंच रही है। हालांकि, रूस को अब ईरान से मदद मिलने लगी है, पर उसकी मुश्किलों का अंत नहीं हुआ है। यूक्रेन को मिल रही विदेशी सहायता रूसी सेना पर भारी साबित हो रही है। इन सबसे अमेरिका को भी नुकसान हो रहा है, लेकिन वह इसलिए इन सबमें शामिल रहेगा, क्योंकि उसे रूस की तुलना में कम हानि हो रही है। हां, चीन ने जरूर समझदारी वाला रवैया अपनाया है, और वह रूस की मदद भी इस कदर कर रहा है कि कोई नया मोर्चा उसके खिलाफ न खुले। वह अमेरिका के मित्र राष्ट्रों को वाशिंगटन से दूर करना चाहता है। इसी रणनीति के तहत वह तुर्किये और मध्य-पूर्व के देशों की सहायता कर रहा है।

भारत पर जरूर यह दबाव है कि उसका झुकाव रूस की तरफ न हो, लेकिन भारत सरकार अपने राष्ट्रीय हितों का पोषण करना बखूबी जानती है। मंगलवार के अपने संबोधन में पुतिन ने भारत का भी नाम लिया और नई दिल्ली के साथ अपने सहयोग व व्यापार को अनवरत जारी रखने का एलान किया। यह सच है कि हाल के वर्षों में अमेरिका के साथ हमारी निकटता बढ़ी है, लेकिन हम उसके निकट सहयोगी नहीं हैं। इसने हमें रूस-यूक्रेन संघर्ष में स्वतंत्र फैसले लेने में मदद की है। अब बस हमें यही ध्यान रखना होगा कि किसी तरह से रूस से हम सस्ता खाद, खाद्यान्न, गैस व तेल ले सकें। हमें अपने हितों को ही आगे बढ़ाने की रणनीति पर काम करना चाहिए। प्रथम विश्व युद्ध तक कहीं न कहीं इस्लामी ताकतें हम पर हावी थीं, तो दूसरे महासमर में यूरोपीय शक्तियां। मगर अभी हमारे पास एक अच्छा मौका है, खुद आगे बढ़ने का। यह अवसर हमें चूकना नहीं चाहिए। एक और प्रयास यह हो सकता है कि बतौर जी-20 अध्यक्ष हम 'ग्लोबल साउथ' (वैश्विक दक्षिण) को अपने पक्ष में कर लें। ऐसी सूरत में हमें काफी लाभ मिल सकता है। इसके लिए जरूरी है कि हम वहां कोरोना-रोधी टीके की आपूर्ति बढ़ा दें और चीन ने जहां-जहां अपना नाम बदनाम किया है, वहां-वहां अपने काम बढ़ा दें। हमें उनकी प्राथमिकता समझकर उनको तकनीकी और अन्य तरह की मदद देनी चाहिए। इससे मुश्किल वक्त में या किसी कारणवश रूस से आयात न होने की सूरत में हमें तेल व अन्य संसाधन आसानी से मिल सकेंगे।

(ये लेखक के अपने विचार हैं)

उद्धव के हिस्से फिर आई मशाल से क्या दूर हो सकेगा अंधियारा

विजय त्रिवेदी

साल 1980, जनता पार्टी से अलग होकर बनी भाजपा का पहला अध्यक्षीय भाषण; राष्ट्रीय अध्यक्ष अटल बिहारी वाजपेयी ने कहा था- यह अध्यक्ष पद अलंकार का विषय नहीं है। यह पद नहीं, दायित्व है; प्रतिष्ठा नहीं, परीक्षा है। हम राजनीति को मूल्यों पर आधारित करना चाहते हैं। इसे सिर्फ कुर्सी का खेल नहीं रखना चाहते। फिर वाजपेयी ने अपने अंदाज में कहा था, हम मुठभेड़ की राजनीति नहीं करना चाहते, पर मुठभेड़ थोपी गई, तो हम कतराएंगे नहीं। आज 40 साल बाद भी इस भाषण से बहुत कुछ सीखा जा सकता है। भारत के पश्चिमी घाट को महिमामंडित करने वाले महासागर के किनारे पर उन्होंने भविष्यवाणी की- अंधेरा छंटेगा, सूरज निकलेगा और कमल खिलेगा, और उसके बाद भाजपा का आगे बढ़ने का सफर शुरू हो गया। आज फिर पश्चिमी घाट को महिमामंडित करते महासागर के किनारे देश की एक और बड़ी राजनीतिक पार्टी शिव सेना अपने भविष्य को लेकर चिंतित है। 1966 में जब मराठा अस्मिता को लेकर बालासाहेब ठाकरे ने शिव सेना बनाई थी, तब उनके नाम पर जान देने वाले शिव सैनिकों को अंदेशा नहीं रहा होगा कि आने वाले दिनों में उनके बेटे उद्धव अकेले खड़े रह जाएंगे। जिस नाम और चुनाव चिह्न को लेकर वह राजनीति के फलक पर चमक रहे थे, उसे उनका ही विश्वासपात्र छीन लेगा। उद्धव के सबसे विश्वस्त माने जाने वाले एकनाथ शिंदे ने उनके पैरों तले से सत्ता का कालीन खींच लिया। क्या यह मतलब निकाला जा सकता है कि उद्धव के लिए यह आखिरी मौका था? दरअसल, यह उनके लिए पहला मौका है, खुद को साबित करने का। क्या उद्धव लड़ने को तैयार हैं? चुनाव आयोग व सुप्रीम कोर्ट तो कानूनी लड़ाई के रास्ते हैं, लेकिन लोकतंत्र में सत्ता की लड़ाई सिर्फ जनता के रास्ते और जनता की मदद से लड़ी जा सकती है। एनसीपी के नेता शरद पवार साहब की सलाह मानने में कोई हर्ज नहीं होना चाहिए कि अब उद्धव नए नाम और चिह्न के साथ आगे बढ़ें। याद कीजिए, 1969 में जब कांग्रेस में इंदिरा गांधी के नेतृत्व को लेकर सवाल खड़े हुए थे। उस वक्त कांग्रेस के ज्यादातर नेता उनसे ज्यादा मजबूत थे। कांग्रेस टूट गई। पार्टी चुनाव चिह्न को लेकर कांग्रेस के दोनों धड़े चुनाव आयोग भी पहुंचे थे। कांग्रेस (ओ) को दो बैलों की जोड़ी और इंदिरा गांधी को गाय-बछड़ा चुनाव चिह्न मिला था। उसके बाद 1971 के चुनाव में जो कुछ हुआ, उसने तो इतिहास बना दिया। इंदिरा गांधी की कांग्रेस को 352 सीटें हासिल हुई थीं और उन्होंने न केवल सरकार बनाई, बल्कि अब तक की सबसे लंबे समय तक रहने वाली ताकतवर प्रधानमंत्री और नेता भी बनीं। तमिलनाडु का उदाहरण याद कीजिए, साल 1987 में सुपरस्टार और लोकप्रिय राजनेता एमजीआर के निधन के बाद उनकी पार्टी अन्नाद्रमुक दो हिस्सों में बंट गई। पार्टी के ज्यादातर विधायक एमजीआर की पत्नी जानकी रामचंद्रन के साथ रहे। वह मुख्यमंत्री बन गईं, मगर संगठन पर जयललिता की पकड़ थी। जयललिता ने 1989 में हुए चुनाव में जानकी गुट से बेहतर प्रदर्शन किया। जयललिता गुट को 22 फीसदी वोट मिले, जबकि जानकी गुट को सिर्फ नौ फीसदी। पार्टी संगठन पर पकड़ और अपनी नेतृत्व क्षमता से जयललिता ने अन्नाद्रमुक पर नियंत्रण कर लिया और मुख्यमंत्री भी लंबे समय तक रहीं। अब उद्धव ठाकरे को यह भी समझना होगा कि पार्टी या संगठन में उनकी स्थिति कमजोर क्यों हुई, सिर्फ भाजपा या अमित शाह को इसके लिए जिम्मेदार ठहराने से काम नहीं चलेगा। पहले राज ठाकरे को किनारे करना और उसके बाद अपने बेटे को आगे लाने की कोशिश किसी से छिपी नहीं है। वंशवाद की वजह से राजनीतिक दलों के कमजोर होने की देश में दर्जनों कहानियां हैं।

पूर्वोत्तर के कार्य तेजी से और सबसे पहले करें! बजट 2023-24 की अंतर्दृष्टि

जी किशन रेड्डी, पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास, पर्यटन और संस्कृति मंत्री

नौ साल पहले जनादेश मिलने के बाद, माननीय प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व वाली सरकार ने कर्म परमो धर्मः के दर्शन का अनुकरण किया, जो कठिन परिश्रम और ईमानदार इरादे के साथ कड़ी मेहनत करने से सम्बन्धित है। इस बात से कोई फर्क नहीं पड़ता कि हमारे सामने कितनी कठिन चुनौतियां हैं, भारत को विश्व गुरु बनाने के सपने के लिए हम अपने मार्ग पर मजबूती से आगे बढ़ रहे हैं।

पूरे देश ने पिछले 9 वर्षों में व्यापक परिवर्तन देखे हैं- उपेक्षा और संकट की छाया के बीच पूर्वोत्तर का उदय हुआ है और यह क्षेत्र भारत के विकास इंजन के रूप में उभरकर सामने आया है, जिसे अभूतपूर्व प्रयासों और अविश्वसनीय इच्छाशक्ति की एक प्रेरक कथा माना जा सकता है। परिणामस्वरूप, समग्र प्रगति और विकास के युग की शुरुआत हुई है।

वित्त मंत्री निर्मला सीतारमण ने हाल ही में 2023-2024 का बजट पेश किया है और बजट में प्रस्तावित प्रगति के मार्ग का विश्लेषण; पूर्वोत्तर के दृष्टिकोण के जरिये किया जाना चाहिए। अष्टलक्ष्मी राज्यों की 7 प्राथमिकताओं- समावेशी विकास, अंतिम व्यक्ति तक लाभ, अवसंरचना, निवेश क्षमता, हरित विकास, युवा और वित्तीय क्षेत्र में सुधार- को सप्तऋषि की संज्ञा दी गयी है। निस्संदेह, पूर्वोत्तर राज्यों को इन प्राथमिकताओं से लाभ प्राप्त होगा।

पूर्वोत्तर क्षेत्र विकास मंत्रालय (डोनर) के लिए 2023-24 के लिए बजट में 5,892.00 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं, जो 2022-23 के आरई आवंटन (2,755.05 करोड़ रुपये) से 114 प्रतिशत अधिक है। यह इरादे के अनुरूप कार्य का निर्विवाद और अकाट्य प्रमाण है। उल्लेखनीय है कि इनमें से पूंजीगत परिसंपत्ति के निर्माण के लिए समर्पित पूंजीगत व्यय के रूप में 4,093.25 करोड़ रुपये (92 प्रतिशत) का प्रावधान किया गया है। इसके अतिरिक्त, 2014 से, 54 केंद्रीय मंत्रालयों के बजट आवंटन में भी भारी वृद्धि हुई है तथा मंत्रालयों के लिए कार्यादेश है कि वे अपने सकल बजटीय समर्थन का 10 प्रतिशत पूर्वोत्तर क्षेत्र के लिए समर्पित करें। यह अब बढ़कर 94,679.53 करोड़ रुपये हो गया है, जो 2022-23 के आवंटन से लगभग 30 प्रतिशत अधिक है। पूर्वोत्तर क्षेत्र के लिए पिछले कुछ वर्षों के वित्तीय प्रोत्साहन को देखते हुए, यह स्पष्ट है कि 2023-24 में 10 प्रतिशत जीबीएस का प्रावधान; 2014-15 के वास्तविक व्यय, जो लगभग 24,819.18 करोड़ था, की तुलना में लगभग 281 प्रतिशत की वृद्धि को दर्शाता है। इस वित्तीय वर्ष के अंत तक पूर्वोत्तर क्षेत्र में लगभग 5 लाख करोड़ रुपये खर्च किए जा चुके होंगे और यह प्रधानमंत्री के पूर्वोत्तर क्षेत्र को दक्षिण पूर्व एशिया के प्रवेश द्वार के रूप में विकसित करने के दृष्टिकोण की पुष्टि है तथा हमारी एक्ट ईस्ट नीति के अनुरूप भी है।

जमीनी स्तर पर अधिकतम प्रभाव सुनिश्चित करने के लिए डोनर को लक्षित पैकेज और योजनाओं के साथ राजकोषीय समर्थन प्रदान किया गया है। उदाहरण के तौर पर, पूर्वोत्तर के लिए नयी प्रधानमंत्री विकास पहल (पीएम-डिवाइन) योजना के तहत 6,600 करोड़ रुपये आवंटित किए गए हैं, जिसका उद्देश्य युवाओं और महिलाओं के लिए आजीविका के अवसरों का सृजन करते हुए, पूर्वोत्तर राज्यों में बड़े पैमाने की परियोजनाओं के साथ अवसंरचना-विकास को पुन: सशक्त करना है। प्रधानमंत्री विश्वकर्मा कौशल सम्मान योजना के तहत स्वयं सहायता समूहों (एसएचजी) को समर्थन या जनजातीय समूहों के विकास और उत्थान के लिए प्रधानमंत्री पीवीटीजी (विशेष रूप से कमजोर जनजातीय समूह) कार्यक्रम जैसी पहल के माध्यम से हमारी जड़ों को मजबूत करने और विकास के अंतिम सिरे पर खड़े व्यक्ति को सशक्त बनाने पर बजट का विशेष ध्यान; महिलाओं के नेतृत्व वाले स्वयं सहायता समूहों की क्षमता को भी बढ़ावा देगा।

पूर्वोत्तर का कृषि-बागवानी क्षेत्र संभावनाओं से भरपूर है और बजट में इसके उपयोग के लिए कई अवसर मौजूद हैं। पूर्वोत्तर क्षेत्र को सफलता के उदाहरण के रूप में पेश किया जा सकता है और प्राकृतिक खेती के तहत 1 करोड़ किसानों को लाने का लक्ष्य हासिल करने की बात देश को प्रेरित कर सकती है। इसी तरह, कृषि-त्वरक कोष इस क्षेत्र में स्टार्टअप्स की मौजूदा क्षमता को बढ़ावा देगा। इसके साथ ही, कौशल विकास, पर्यटन क्षमता के विकास, डिजिटलीकरण, सतत विकास पर जोर और हरित कार्यक्रम पर हमारा विशेष ध्यान; पूर्वोत्तर क्षेत्र के सतत विकास की दिशा में भारत सरकार द्वारा किए जा रहे मौजूदा प्रयासों का पूरक है।

सुरक्षा और शांति इस क्षेत्र की एक प्रमुख चुनौती थी, लेकिन सरकार के निरंतर प्रयासों और राज्यों के घनिष्ठ सहयोग से, पूर्वोत्तर आज शांति और स्थिरता के एक अभूतपूर्व युग में प्रवेश कर गया है। 2014 के बाद से, इस क्षेत्र में उग्रवाद की घटनाओं में 74 प्रतिशत की कमी आयी है और 8,000 से अधिक युवा आत्मसमर्पण करने के बाद उज्जवल भविष्य की कामना कर रहे हैं।

इसी तरह, परिवहन व दूरसंचार संपर्क का विकास किसी क्रांति से कम नहीं है। 2014 से पहले सिर्फ असम ही रेलवे से जुड़ा था। अब अगरतला और ईटानगर को भी जोड़ दिया गया है तथा अन्य राजधानियों को भी जल्द ही रेल-सुविधा प्राप्त होगी। हमारे राष्ट्रीय राजमार्गों के माध्यम से पूर्वोत्तर में निर्बाध सड़क संपर्क सुनिश्चित करने के लिए सरकार 1.6 लाख करोड़ रुपये खर्च कर रही है। हवाई संपर्क के संदर्भ में, पांच पूर्वोत्तर राज्यों- मिजोरम, मेघालय, सिक्किम, अरुणाचल प्रदेश और नागालैंडङ्क से आजादी के बाद पहली बार हवाई उड़ानें भरीं गयीं। 2014 में इस क्षेत्र में सिर्फ 9 हवाई अड्डे थे, अब इस क्षेत्र में हवाई अड्डों की संख्या लगभग दोगुनी होकर 17 हो गई है, जिनमें ईटानगर का डोनी पोलो नवीनतम हवाई अड्डा है। भारत सरकार ने 2023 के अंत तक क्षेत्र में पूर्ण दूरसंचार संपर्क की सुविधा प्रदान करने के लिए 500 दिनों का लक्ष्य निर्धारित किया है, जिससे दूरसंचार संपर्क में भी व्यापक विस्तार देखा जा रहा है।

अंतिम और सबसे महत्वपूर्ण पहल है- 'एक भारत श्रेष्ठ भारत' की भावना के साथ लोगों के बीच आपसी संपर्क स्थापित करना और भावनात्मक जुड़ाव को गहरा करना। प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में, पूर्वोत्तर का शेष भारत के साथ सांस्कृतिक और भावनात्मक एकीकरण तथा पराया होने की भावना को दूर करना सर्वोच्च प्राथमिकता रही है। युवाओं में सांस्कृतिक जुड़ाव मजबूत करने के लिए अब 'युवा संगम' के तहत युवा सांस्कृतिक आदान-प्रदान यात्राएं आयोजित की जाएंगी। लोगों तक पहुंचने, उनसे बातचीत करने, योजनाओं के कार्यान्वयन की निगरानी करने और मुद्दों को तत्काल हल करने के लिए कम से कम 16 केंद्रीय मंत्री हर महीने पूर्वोत्तर का दौरा करते हैं।

हाल की उत्तर-पूर्व परिषद के स्वर्ण जयंती समारोह में माननीय प्रधानमंत्री का आह्वान, पूर्वोत्तर के कार्य तेजी से करें और सबसे पहले करें ('एक्ट फास्ट फॉर नॉर्थ ईस्ट, एक्ट फर्स्ट फॉर नॉर्थ ईस्ट') ही पूर्वोत्तर क्षेत्र की आगे बढ़ने की यात्रा का मूलमंत्र है। अब पीछे मुड़कर नहीं देखना है। बहानों पर कोई विचार नहीं किया जाएगा, क्योंकि वे दिन अब बीत चुके हैं। पूर्वोत्तर के विकास के लिए कदम मजबूती से उठाए जा चुके हैं!

स्टेशन रोड, इंदिरा मार्केट, दुर्ग के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करे:- 9827806026, 7869620239

Sargam Musicals
Deals in All Kinds of Musical Instrument Sales & Repair
DURG:- Near Tarun Adlabs Station Road, Durg (C.G.) Durg, Ph. 2330588, 9826660688
RAIPUR:- Near Manju Mamta Reaustaurant, M.G. Road Raipur. Ph. 4013288, 9303876196

गंजेपन से मुक्ति मात्र 1 घंटे में
COMPLETE FAMILY SALON
हेयर रिप्लेसमेंट, 100% संतुष्टि की गारंटी
पहले बाद में
JITU'Z CUT N SHINE
93009-11331
रंगोली बैंगल्स के सामने, जयसवाल इलेक्ट्रानिक के बाजू में इंदिरा मार्केट, स्टेशन रोड, दुर्ग (छ.ग.)

श्रीकंचनपथ

छत्तीसगढ़

इनकम TAX
ITR फाईल
बनवायें मात्र 500/- में
TDS, GST, TAX Expert
सम्पर्क- शेखर गुप्ता
9300755544
onlytds@gmail.com WWW.ONLYTDS.COM

राज्य में मिलेट्स फसलों को बढ़ावा देने विशेष पहल

वर्तमान में कोदो, कुटकी और रागी की खरीदी जोरो पर

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल की मंशा के अनुरूप छत्तीसगढ़ में कोदो, कुटकी एवं रागी की फसलों को बढ़ावा देने के लिए इनकी समर्थन मूल्य पर खरीदी की जा रही है। वन मंत्री श्री मोहम्मद अकबर के कुशल मार्गदर्शन में प्रदेश में अब तक 10 करोड़ 70 लाख रूपए मूल्य की 34 हजार 893 क्विंटल कोदो, कुटकी और रागी की खरीदी हो चुकी है।

राज्य लघु वनोपज संघ से प्राप्त जानकारी के अनुसार कोदो की खरीदी 30 रूपए प्रति किलो, कुटकी की खरीदी 31 रूपए और रागी की खरीदी 35.78 रूपए प्रति किलो की दर से की जा रही है। अब तक 28 हजार 958 क्विंटल कोदो, 1 हजार 321 क्विंटल कुटकी और 4 हजार 615 क्विंटल रागी की खरीदी की जा चुकी है। समर्थन मूल्य पर कोदो, कुटकी और रागी फसलों की खरीदी अब 25 फरवरी 2023 तक की जाएगी।

उल्लेखनीय है कि पूरे प्रदेश में राज्य लघु वनोपज संघ की समस्त प्राथमिक वनोपज सहकारी समितियों द्वारा कोदो, कुटकी और रागी की खरीदी की जा रही है। प्रमुख सचिव वन मनोज कुमार पिंगुआ ने बताया कि किसानों के हित में इसका दायरा बढ़ाकर अब पूरे प्रदेश में राज्य लघु वनोपज संघ की समस्त प्राथमिक वनोपज सहकारी समितियों के माध्यम से इन फसलों की समर्थन मूल्य पर खरीदी की जा रही है।

प्रधान मुख्य वन संरक्षक एवं वन बल प्रमुख संजय शुक्ला ने बताया कि राज्य के ऐसे क्षेत्र, प्राथमिक लघु वनोपज समिति अथवा जिला यूनियन के कार्यक्षेत्र से बाहर स्थित है, ऐसे ग्रामों, क्षेत्रों को चिन्हांकित कर समीपस्थ प्राथमिक लघु वनोपज समिति एवं जिला यूनियन के कार्यक्षेत्र में शामिल किया गया है। जिससे ऐसे क्षेत्रों में कोदो, कुटकी एवं रागी की समर्थन मूल्य पर खरीदी हो सके और इन फसलों का संग्रहण करने वाले संग्राहकों को समर्थन मूल्य का लाभ मिले।

बदलता दंतेवाड़ाः बैलाडीला से नारायणपुर बस सेवा शुरू होने से लोगों के जीवन में आने लगा बदलाव

श्रीकंचनपथ न्यूज

दंतेवाड़ा। बिना अच्छी सड़कों के किसी भी गाँव या शहर के विकास की कल्पना नहीं की जा सकती। किसी भी शहर के विकास की नींव होती है सड़कें। इन्ही कल्पनाओं को साकार कर जिला प्रशासन द्वारा जिलेवासियों को और बेहतर आवागमन सुविधा प्रदान करने के निरंतर प्रयास किये जा रहे है। इसी कड़ी में बैलाडिला से नारायणपुर तक सीधी बस सेवा बीते दिन प्रारंभ की गयी है। इस बस सेवा के प्रारंभ हो जाने से अब लोगों के जीवन में बदलाव नजर आने लगा है।

लोग अब अपने व्यवसाय को बढ़ाने के लिए नारायणपुर से दंतेवाड़ा या दंतेवाड़ा से नारायणपुर तक आने-जाने लगे हैं। इस सड़क के बनने के पूर्व दूरी अधिक होने के कारण लोगों को अपने व्यवसाय में वृद्धि, रोजगार, पर्यटन, मंदिर दर्शन, मेला, पर्व, पारिवारिक कारणों, वैवाहिक संबंध, के अलावा इस रास्ते में काम करने वाले शिक्षकों, स्वास्थ्य कर्मियों एवं अन्य सरकारी कर्मचारियों को अपने दायित्व निर्वहन के लिए भी जाने में काफी परेशानियों का सामना करना पड़ता था। लेकिन अब इन सब कठिनाइयों का सामना नहीं करना पड़ेगा क्योंकि अब बन गई है बारसूर से पल्ली तक नई सड़क। बीते दिन प्रारंभ हुई बैलाडीला से नारायणपुर बस सेवा से अब लोगों को काफी सुविधा मिलने लगी है। लोग अब बड़ी ही आसानी से इस रोड के माध्यम से अपने-अपने गंतव्य तक पहुंचने लगे है। जिला प्रशासन द्वारा शुरू किये गये इस बारसूर-पल्ली-नारायणपुर मार्ग से अब जिलेवासियों को काफी सुविधा मिलने लगी है। राहगीरों से पूछने पर उन्होंने बताया कि जिला प्रशासन द्वारा बहुत ही बढ़िया सड़क का निर्माण कराया गया है। इस सड़क से अब आने-जाने में किसी प्रकार की कोई परेशानी या डर नहीं है। सड़क के बीच में बनने वाले सभी पुल-पुलियों का काम लगभग पूरा होने को है, जिससे अब किसी भी समय दंतेवाड़ा और नारायणपुर के बीच की दूरी तय की जा सकती है। बता दें कि इस बस के प्रारंभ हो के पूर्व जिलेवासियों को नारायणपुर जाने के लिए दंतेवाड़ा जिले से जगदलपुर, जगदलपुर से कोंडागांव और कोंडागांव से नारायणपुर तक की लगभग 250 किलोमीटर की लंबी दूरी तय करनी पड़ती थी।

खास खबर

एनसीसी सी प्रमाण-पत्र परीक्षा में 12 महाविद्यालय के 236 बालक-बालिका हुए शामिल

जगदलपुर। छत्तीसगढ़ बालिका बटालियन एनसीसी परचनपाल में एनसीसी सी प्रमाण पत्र परीक्षा का आयोजन परचनपाल स्थित कन्या शिक्षा परिसर में आज संपन्न हुआ। इसके अन्तर्गत कैडेटों से लिखित परीक्षा और प्रायोगिक परीक्षा आयोजित की गई। प्रायोगिक परीक्षा में कैडेटों को ड्रील, वेपन ट्रेनिंग, मैप रीडिंग, फिल्ड क्राफ्ट, बैटल क्राफ्ट एवं कम्यूनिकेशन का परीक्षा लिया गया। सी प्रमाण-पत्र के पीठासीन अधिकार कर्नल हेमन्त दुबे, कमान अधिकारी 37 छत्तीसगढ़ बटालियन एनसीसी दुर्ग एवं कर्नल संजय चावला (विशिष्ट सेवा मेडल) कमान अधिकारी एक छत्तीसगढ़ गर्ल्स बटालियन एनसीसी परचनपाल के अध्यक्षता में बस्तर संभाग के चार यूनिटों के 12 महाविद्यालय के 236 एनसीसी बालक-बालिका कैडेट इस परीक्षा में शामिल हुए।

सेना अग्निवीर भर्ती रैली ऑनलाइन आवेदन 15 मार्च तक आमंत्रित

जगदलपुर। सेना भर्ती कार्यालय रायपुर के अनुसार अग्निवीरों की भर्ती के लिए आवेदन 15 मार्च तक आमंत्रित किए गए हैं। भारतीय थल सेना की वेबसाइट पर उपलब्ध है। अग्निवीर की भर्ती जनरल तकनीकी क्लर्क ट्रेडमेन दसवीं पास और ट्रेडमैन आठवीं पास के पदों के लिए जारी की गई है। सेना में अग्निवीर भर्ती के लिए ऑनलाईन आवेदन की प्रक्रिया 16 फरवरी 2023 से 15 मार्च 2023 तक खुली रहेगी। भारतीय थल सेना की वेबसाईट पर आवेदन करने के साथ ही अग्निवीर ऑनलाईन परीक्षा (सीसीई) के लिए आवेदकों को स्टेट बैंक ऑफ इंडिया के माध्यम से राशि 02 सौ पचास रुपये का शुल्क जमा करना पड़ेगा। ऑनलाईन परीक्षा के लिए सेना ने एजुकेशन कंसलटेंट इंडिया लिमिटेड (ईडीसीआईएल) से अनुबंध किया है।

शिक्षा मंत्री द्वारा आन-डिमांड बहु-भाषा शिक्षण पर आनलाईन कोर्स का शुभारंभ

राज्य में भाषाई सर्वे के आधार बहु-भाषा शिक्षण की पठन सामग्री का विमोचन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। स्कूल शिक्षा मंत्री डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम ने 21 फरवरी को अंतर्राष्ट्रीय मातृभाषा दिवस पर आदिवासी बच्चों की शिक्षा में सुधार के लिए विभिन्न कार्यक्रमों की शुरूआत की। उन्होंने जिला एवं विकासखंड स्तरीय अधिकारियों के लिए ऑनलाईन डिमांड बहु-भाषा शिक्षण के लिए ऑनलाईन कोर्स का शुभारंभ किया। राज्य में भाषाई सर्वे के आधार पर बच्चों को बहु-भाषा शिक्षण देने के लिए शिक्षकों के लिए पठन सामग्री का विमोचन किया। इसके साथ ही बच्चों को उनकी स्थानीय भाषा में कहानी सुनाने के लिए पॉडकास्ट का उपयोग करने शिक्षकों का ऑन डिमांड क्षमता संवर्धन कार्यक्रम का भी शुभारंभ किया।

उल्लेखनीय है कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल राज्य में स्कूली बच्चों को उनकी स्थानीय भाषा में शिक्षा देने की घोषणा की गई है। स्कूल शिक्षा मंत्री डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम द्वारा इस कार्य की निरंतर समीक्षा की जा रही है। जिसके आधार पर मातृभाषा शिक्षण पर विभिन्न कार्य प्रारंभ किए गए हैं, इसका लाभ राज्य में आदिवासी अंचल के बच्चों को मिल रहा है। छत्तीसगढ़ पहला राज्य है जहां लैंग्वेज एंड लर्निंग फाउंडेशन (एल.एल.एफ) और यूनिसेफ के सहयोग से भाषाई सर्वेक्षण का कार्य भी पूरा किया गया है। ऐसे में अब जब कक्षाओं में बच्चों को सीखने में स्थानीय भाषा का उपयोग किया जाना है, तो स्कूल शिक्षा विभाग के अधिकारियों के लिए ऑनलाईन कोर्स का शुभारंभ किया है। स्कूल शिक्षा मंत्री डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम द्वारा सभी अधिकारियों से अपील की है कि वे इस कोर्स को अवश्य करें एवं शिक्षकों को स्थानीय भाषा में सीखने में सहयोग दें।

छत्तीसगढ़ पहला राज्य है जिसने बच्चों द्वारा बोली जाने वाली भाषा पर आधारित भाषाई सर्वे किया है। इस रिपोर्ट को समझने एवं स्कूलों में शिक्षकों को बहुभाषा संबंधी विभिन्न मुद्दों पर जानकारी देते हुए शिक्षण विधियों में आवश्यक सुधार लाने हेतु समग्र शिक्षा की ओर से सन्दर्भ सामग्री तैयार की गयी है। यह सामग्री प्राथमिक स्कूलों के शिक्षकों को उपलब्ध करवाई जाएगी।

राज्य में वर्तमान में शिक्षकों की एक टीम द्वारा प्रतिमाह चर्चा पत्र को पॉडकास्ट के रूप में प्रकाशित किया जाता है, जिसे शिक्षक बड़ी रूचि से सुनते हैं और उसमें कही गयी बातों को अपनी-अपनी कक्षा में लागू करने का प्रयास करते हैं। इसी कड़ी में कुछ विशेषज्ञ शिक्षकों, कुछ स्थानीय भाषा के जानकार शिक्षकों एवं कुछ बाह्य संस्थाएं जो इस कार्य में सहयोग देना चाहते हों, उनके साथ मिलकर विभिन्न स्थानीय कहानियों का संकलन, उन पर पॉडकास्ट बनाना, बाद में चयनित कुछ कहानियों का प्रिंट वर्जन भी साझा करना जैसे कार्य इस टीम के साथ मिलकर किए जाएंगे। इस कार्य के लिए इच्छुक लोगों की टीम सोशल मीडिया के माध्यम से बनायी जाएगी। इन पॉडकास्ट को स्कूलों में शिक्षकों द्वारा मोबाइल, प्राथमिक शालाओं में उपलब्ध स्पीकर आदि का उपयोग कर इस्तेमाल में लाया जा सकेगा। इस पॉडकास्ट को सुनकर बच्चे अपने संस्कृति, इतिहास एवं परंपराओं को जानकार आत्म गौरवान्वित हो सकेंगे।

पॉडकास्ट निर्माण में तकनीकी समर्थन, इनके कक्षाओं में उपयोग हेतु उपकरण की आवश्यकता के आधार पर मांग एवं समर्थन हेतु विद्यांजली पोर्टल पर भी इसे अपलोड किया जाना प्रस्तावित है। स्कूली शिक्षा मंत्री डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम ने स्थानीय भाषा के जानकार शिक्षकों, समुदाय के सक्रिय बड़े-बुजुर्गों, तकनीकी रूप से सक्षम शिक्षकों को पॉडकास्ट तैयार करने में सहयोग देने एवं सभी अधिकारियों को इस ऑनलाईन कोर्स को गंभीरतापूर्वक करने की अपील की है।

मुख्यमंत्री बघेल ने नवा रायपुर में नव निर्मित सर्किट हाउस का किया लोकार्पण

नव निर्मित सर्किट हाउस में 22 कमरे, 6 सुइट समेत एक वीवीआइपी सुइट और मल्टीपरपज हाल की सुविधा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने आज नवा रायपुर के सेक्टर- 24 में नव निर्मित सर्किट हाउस का लोकार्पण किया. मुख्यमंत्री ने विधि विधान के साथ पूजा अर्चना करते हुए फीता काटा और नव निर्मित सर्किट हाउस का निरीक्षण भी किया.नवा रायपुर के सेक्टर- 24 में नव निर्मित सर्किट हाउस का लोकार्पण नव निर्मित सर्किट हाउस का निर्माण 2 एकड़ क्षेत्र में 24 करोड़ रूपए की लागत से हुआ है. इसमें भूतल के अलावा 7 मंजिलों का निर्माण किया गया है.

नया रायपुर में अतिथियों की सुविधा के लिए लोक निर्माण विभाग द्वारा छत्तीसगढ़ शासन के महत्वपूर्ण भवन सर्किट हाऊस का निर्माण किया गया है। इसमें 22 नग वातानुकूलित कमरे, 06 नग सुईट रूम, 01 नग व्ही. व्ही.आई.पी. सुईट रुम , 01 नग बैंकेट हॉल (150 सीटर), 01 नग बोर्ड रूम (23 सीटर), 01 नग मीटिंग रूम (54 सीटर), कान्फ्रेंस हॉल (12 सीटर) एवं डाइनिंग हॉल (50 सीटर) निर्मित है। सभी तल में टेरेस गार्डन निर्मित है।

इस मौके पर मंत्री ताम्रध्वज साहू, मंत्री रविन्द्र चौबे, मंत्री कवासी लखमा समेत अन्य जनप्रतिनिधि तथा अधिकारी गण उपस्थित थे।

कलेक्टर ने 09 दिव्यांग बच्चों को प्रदान किया सहायक उपकरण

जनदर्शनः 101 आवेदकों ने सौंपे अपनी मांगों व समस्याओं से संबंधित आवेदन

श्रीकंचनपथ न्यूज

मुंगेली। जिला कलेक्टोरेट स्थित जनदर्शन कक्ष में 09 दिव्यांग बच्चों को सहायक उपकरण प्रदान किया गया। कलेक्टर राहुल देव ने 03 हितग्राहियों को श्रवण यंत्र, 02 हितग्राहियों को ट्रायसायकल, 04 हितग्राहियों को व्हील चेयर प्रदान किया।

जनदर्शन में 101 लोगों ने अपनी मांगों, शिकायतों एवं समस्याओं से संबंधित आवेदन प्रस्तुत किए। कलेक्टर ने बारी-बारी से एक-एक आवेदकों की समस्याएं सुनी और संबंधित अधिकारियों को आवेदन की जांच उपरांत नियमानुसार निराकरण के निर्देश दिए।

कलेक्टर ने कहा कि जनदर्शन का उद्देश्य दूर-दराज से पहुंचे आमलोगों की समस्याओं का निराकरण कर उन्हें राहत पहुंचाना है। उन्होंने अधिकारियों को गंभीरतापूर्वक कार्य करते हुए जनदर्शन में प्राप्त आवेदनों के निराकरण करने के सख्त निर्देश दिए। जनदर्शन में ग्राम डोड़ा के कृष्ण कुमार साहू ने पशु शेड निर्माण कराने, ग्राम बिजराकापा के सुमन ने केसीसी लोन दिलाने, हीरालाल वार्ड मुंगेली के निवासियों ने पेयजल के लिए नवीन मोटर पम्प उपलब्ध कराने, ग्राम लिलवाकापा के आजूराम ने सड़क निर्माण की मुआवजा राशि दिलाने, ग्राम दशरंगपुर के थानूराम ने आवासीय पट्टा प्रदान करने, ग्राम कोसमतरा के गंगाराम ने प्रधानमंत्री आवास योजना की किश्त की राशि दिलाने सहित अन्य आवेदकों ने अपने आवेदन सौंपे।

इस अवसर पर अपर कलेक्टर तीर्थराज अग्रवाल, जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी डी. एस. राजपूत, संयुक्त कलेक्टर श्रीमती नम्रता आनंद डोंगरे, मुंगेली एसडीएम सुश्री आकांक्षा शिक्षा खलखो सहित संबंधित विभाग के अधिकारी उपस्थित थे।

आवश्यकता है
लड़के एवं लड़कियों की
वेतन चार अंकों में
भिलाई मसाला उद्योग
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई,
फोन. 2284508, मो. 9826137766

खास खबर...

छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मण्डल की हेल्पलाईन पर पहले दिन आये 80 फोन कॉल

रायपुर। छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मण्डल की हेल्पलाईन टोल-फ्री नम्बर पर समस्या समाधान के लिए पहले दिन 21 फरवरी को 80 फोन कॉल आये। हेल्पलाईन में मनोवैज्ञानिक वर्षा वरवंडकर द्वारा संबंधितों की समस्याओं का निराकरण किया गया। साथ ही मण्डल की उप सचिव जे.के. अग्रवाल और हेल्पलाईन समन्वयक प्रदीप कुमार साहू, अलका दानी, प्रीति शुक्ला, राजेन्द्र दुबे सहायक प्राध्यापक ने विद्यार्थियों द्वारा पूछी गई समस्याओं का समाधान किया।

उल्लेखनीय है कि छत्तीसगढ़ माध्यमिक शिक्षा मण्डल की हेल्पलाईन के टोल-फ्री नम्बर 18002334363 पर रविवार और शासकीय अवकाश के दिनों को छोड़कर प्रतिदिन प्रातः 10 बजे से शाम 5.30 बजे तक दो पालियों में निरंतर विद्यार्थियों, पालकों, शिक्षकों द्वारा समस्याएं बतायी जा रही है, जिसका मण्डल द्वारा त्वरित समाधान किया जा रहा है।

मुख्यमंत्री ने डॉ. खूबचंद बघेल को उनकी पुण्यतिथि पर किया नमन

रायपुर। मुख्यमंत्री भूपेश बघेल ने छत्तीसगढ़ राज्य के स्वप्नदृष्टा, स्वतंत्रता संग्राम सेनानी और कृषक नेता स्वर्गीय डॉ. खूबचंद बघेल की 22 फरवरी को पुण्यतिथि पर उन्हें सादर नमन किया है। मुख्यमंत्री ने डॉ. खूबचंद बघेल को अपने विनम्र श्रद्धासुमन अर्पित करते हुए कहा है कि डॉ. खूबचंद बघेल ने अपना पूरा जीवन समाज और किसानों के कल्याण के लिए समर्पित कर दिया। उन्होंने शिक्षा, सहकारिता के क्षेत्र सहित कई सामाजिक आंदोलनों में महत्वपूर्ण भूमिका निभाई। भारतीय स्वतंत्रता संग्राम के दौरान खूबचंद ने छत्तीसगढ़ में राष्ट्रीय चेतना जागृत करने का महत्वपूर्ण कार्य किया।

मुख्यमंत्री ने कहा है कि छत्तीसगढ़ राज्य निर्माण के लिए किए गए संघर्ष में डॉ. खूबचंद बघेल का योगदान भुलाया नहीं जा सकता। उनके कृतित्व और व्यक्तित्व के प्रति सम्मान प्रकट करते हुए चिकित्सा क्षेत्र में डॉ. खूबचंद बघेल स्वास्थ्य सहायता योजना शुरु की गई है, जिसके तहत 5 लाख रुपए तक निःशुल्क इलाज की व्यवस्था मरीजों के लिए उपलब्ध कराई जा रही है। छत्तीसगढ़ सरकार ने उनकी स्मृति में कृषि के क्षेत्र में महत्वपूर्ण उपलब्धि और अनुसंधान को प्रोत्साहित करने के लिए डॉ. खूबचंद बघेल सम्मान स्थापित किया है।

कुष्ठ रोग पर नियंत्रण के लिए सामुदायिक स्तर पर प्रयासों की आवश्यकता

रायपुर (ए)। कुष्ठ रोग विशेषज्ञों ने इस पर नियंत्रण पाने के लिए सामुदायिक स्तर पर प्रयासों की आवश्यकता पर जोर दिया है। अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान में आयोजित राष्ट्रीय सीएमई में छत्तीसगढ़ में राष्ट्रीय औसत से ज्यादा कुष्ठ रोगियों की संख्या को चुनौतीपूर्ण बताते हुए इसे नियंत्रित करने के लिए सघन अभियान चलाए जाने पर जोर दिया गया। 'एलिफेंट एट लार्ज' शीर्षक की इस सीएमई का उद्घाटन करते हुए निदेशक प्रो. (डॉ.) नितिन एम. नागरकर ने कहा कि कुष्ठ रोग को दूर करने के लिए समाज के सभी वर्गों को साथ आना होगा। यह एक सामुदायिक चुनौती है जिसे जागरूकता के माध्यम से दूर किया जा सकता है। उन्होंने कहा कि कुष्ठ रोगी इसे छिपाने का प्रयास करते हैं जिससे संक्रमण और अधिक फैलता है। इसे नियंत्रित करने की आवश्यकता है। एम्स के त्वचा रोग विभाग में इसके उपचार की समस्त सुविधाएं निःशुल्क उपलब्ध हैं। इसके साथ ही एम्स के चिकित्सक इस दिशा में सतत् शोध और अनुसंधान भी कर रहे हैं।

मुख्यमंत्री की मंशानुसार आदिवासियों के देव स्थल में देवगुड़ी निर्माण के कार्य इसी वित्तीय वर्ष में पूर्ण करें: डॉ. टेकाम

आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास विभाग के कामकाज की समीक्षा

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास मंत्री डॉ. प्रेमसाय सिंह टेकाम ने मंत्रालय में विभाग के कामकाज की समीक्षा करते हुए जिलों के सहायक आयुक्त को मुख्यमंत्री जन घोषणा के तहत आदिवासियों के देव स्थल में देवगुड़ी निर्माण का कार्य इसी वित्तीय वर्ष में पूर्ण करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि प्रदेश में संचालित एकलव्य आवासीय विद्यालय जो भवनविहीन है और वे अस्थायी भवन में संचालित हो रहे है, वहां आगामी शिक्षा सत्र से पूर्व कम से कम 60 बच्चों के बैठने की व्यवस्था के लिए अतिरिक्त कक्ष का निर्माण करा ले।

मंत्री डॉ. टेकाम ने कहा कि प्रदेश में संचालित एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालयों में सीटे रिक्त न रहे इसके लिए नियमानुसार प्रक्रिया अपना कर लेटरल एन्ट्री से रिक्त सीटों की पूर्ति कर ली जाए। उन्होंने कहा कि प्रदेश में 15 एकलव्य आदर्श आवासीय विद्यालय का उन्नयन का कार्य सीबीएसई के मानकों के अनुसार कर लिया जाए। उन्होंने प्रदेश में स्वीकृत आश्रम-छात्रावास निर्माण के लिए जमीन का चिन्हांकन कर प्रस्ताव मुख्यालय को भेजने के निर्देश दिए।

मंत्री डॉ. टेकाम ने कहा कि वन अधिकार अधिनियम के तहत व्यक्तिगत, सामुदायिक अधिकार पत्र के साथ-साथ सामुदायिक वन संसाधन अधिकार पत्र के वितरण में भी तेजी लाए। उन्होंने कहा कि वन संसाधन अधिकार शासन की प्राथमिकता में है। इसका लाभ प्रदेश में निवासरत् विशेष पिछड़ी जनजातियों को भी दिलाना सुनिश्चित करें।

मंत्री डॉ. टेकाम ने निर्माण कार्यों की एन्ट्री ऑनलाईन पोर्टल में शीघ्र अद्यतन करने, अनुरक्षण मद में प्राप्त राशि को शीघ्र व्यय करने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि सहायक आयुक्त जिलों में आश्रम-छात्रावासों उचित रखरखाव एवं अन्य आधारभूत सुविधाओं के विकास पर ध्यान दें। छात्रावास-आश्रमों में स्टॉक पंजी, कैश बुक और अन्य पंजियों का उचित संधारण किया जाना चाहिए। साथ ही किचन शेड और शौचालय शेड स्वच्छ रहना चाहिए। डॉ. टेकाम ने एकलव्य आदर्श आवसीय विद्यालय में अध्ययनरत् कक्षा 10वीं और 12वीं के विद्यार्थियों के प्री-बोर्ड परीक्षा की समीक्षा करते हुए बच्चों की पढ़ाई पर विशेष ध्यान देने के निर्देश दिए है। स्वीकृत निर्माण कार्यों को शीघ्र पूर्ण करने और अप्रारंभ कार्यों को शीघ्र शुरू करने के निर्देश अधिकारियों को दिए गए। बैठक में मरम्मत एवं निर्माण कार्यों की भौतिक एवं वित्तीय प्रगति, प्रधानमंत्री आदि आदर्श ग्राम योजना, प्रधानमंत्री आदर्श ग्राम योजना, विशेष केन्द्रीय सहायता से अनुसूचित जाति उप योजना की प्रगति की भी समीक्षा की गई।

बैठक में सचिव आदिम जाति तथा अनुसूचित जाति विकास डीडी सिंह, आयुक्त शम्मी आबिदी सहित विभाग के वरिष्ठ अधिकारी और जिलों के सहायक आयुक्त उपस्थित थे।

विधानसभा के बजट सत्र के दौरान अधिकारी तैयारी के साथ रहे मौजूद: मुख्य सचिव

मुख्य सचिव ने विधान सभा के बजट सत्र को लेकर अधिकारियों को दिए आवश्यक निर्देश

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्य सचिव अमिताभ जैन ने राज्य शासन के विभागों के सचिवों को निर्देश दिये है कि एक मार्च 2023 से आयोजित विधानसभा के बजट सत्र के दौरान अधिकारी अपने विभाग की आवश्यक जानकारी के साथ मौजूद रहें। विधानसभा में अपने विभाग के मुद्दों का भली भांति अध्ययन करें। मुख्य सचिव ने अधिकारियों से कहा है कि निर्धारित समय-सीमा में अपनी विभाग की आवश्यक जानकारी विधानसभा में प्रस्तुत करें। उन्होंने कहा कि विधानसभा में प्रस्तुत की जाने वाली जानकारी को प्रमुख सचिव संसदीय कार्य विभाग और सामान्य प्रशासन विभाग को भी अनिवार्य रूप से दें। मुख्य सचिव ने आज यहां मंत्रालय महानदी भवन में विधानसभा के आगामी बजट सत्र की तैयारी की समीक्षा की। मुख्य सचिव ने विभागीय सचिवों को विधानसभा में राज्यपाल के अभिभाषण, धन्यवाद प्रस्ताव, कृत्ज्ञता प्रस्ताव और अश्वासन से संबंधित आवश्यक जानकारी के साथ विधानसभा में

उपस्थित रहने के निर्देश दिए हैं। इसी तरह से ध्यानाकर्षण, स्थगन, प्रश्न काल, शून्य काल इत्यादि के प्रश्नों की पूरी तैयारी करने के निर्देश दिए। मुख्य सचिव ने विधानसभा सत्र के दौरान सभी विभागों के प्रशासकीय प्रतिवेदन विधान सभा में समय पर उपलब्ध कराने के निर्देश भी दिए हैं। इस संबंध में भी संसदीय कार्य विभाग को जानकारी उपलब्ध कराने कहा गया है।

उन्होंने कहा कि जिन अधिकारियों की ड्यूटी विधानसभा में लगाई गई है वे निर्धारित तिथियों में आवश्यक जानकारी के साथ अनिवार्य रूप से मौजूद रहें। विधानसभा सत्र के दौरान अवकाश स्वीकृत न किए जाये। वीडियो कॉन्फ्रेंस से आयोजित इस बैठक में डीजीपी अशोक जुनेजा, अपर मुख्य सचिव सुब्रत साहू, प्रमुख सचिव संसदीय कार्य विभाग आलोक शुक्ला, प्रमुख सचिव गृह एवं वन मनोज कुमार पिंगुआ, राज्यपाल के सचिव अमृत कुमार खलखो, वित्त विभाग की सचिव अलरमेल मंगई डी., लोक निर्माण एवं जनसम्पर्क विभाग के सचिव सिद्धार्थ कोमल परदेशी, सामान्य प्रशासन विभाग के सचिव डी.डी.सिंह, कृषि विभाग के सचिव डॉ. कमलप्रीत सिंह, पर्यटन विभाग के सचिव अन्बलगन पी., सचिव राजस्व एन.एन.एक्का, ऊर्जा विभाग के सचिव अंकित आनंद, स्कूल शिक्षा विभाग के सचिव डॉ. एस.भारतीदासन सहित अन्य विभागों के अधिकारी शामिल हुए।

खादी और ग्रामोद्योग आयोग बोर्ड की योजनाओं से बड़ी संख्या में लोगों को मिल रहा रोजगार

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। खादी और ग्रामद्योग आयोग बोर्ड द्वारा खादी के क्षेत्र में अधिक से अधिक रोजगार का सृजन किया जा रहा है। केवीआईसी अध्यक्ष मनोज कुमार ने बताया कि खादी क्षेत्र को विश्व स्तर पर बढ़ावा देने के साथ-साथ बुनकरों की आय को दो से तीन गुना सुनिश्चित की जा रही है। ग्रामीण स्तर पर खादी कामगारों को प्रोत्साहित करने, खादी उत्पादन को बढ़ाने और अधिक से अधिक रोजगार सृजन कर ग्रामीण अर्थव्यवस्था को मजबूत करने के उद्देश्य से विगत कुछ माह में देश के विभिन्न क्षेत्रों में कार्यरत खादी संस्थाओं एवं खादी कामगारों के साथ बैठकें आयोजित की गई और उनकी कठिनाइयों को दूर कर उनमें नई उर्जा का संचार करने के लिए प्रत्यक्ष रूप से उनसे संवाद भी किया गया।

खादी और ग्रामद्योग आयोग के राज्य निदेशक राजेश कुमार ने जानकारी दी कि मनोज कुमार की अध्यक्षता में खादी और ग्रामोद्योग आयोग ने अपनी 694 वीं बैठक में कामगारों की मजदूरी 7.50 रुपये प्रति गुंडी से बढ़ाकर 10 रुपये प्रति गुंडी करने का निर्णय लिया गया। जिससे उनकी मासिक आय में औसतन 33 प्रतिशत तक की वृद्धि होगी एवं बुनकरों के पारिश्रमिक में 10 प्रतिशत की बढ़ोतरी को भी मंजूरी दी गई है, जो अप्रैल 2023 से प्रभावी होगा। मनोज कुमार ने कहा कि खादी संवाद के दौरान यह बात प्रमुखता से सामने आयी है कि खादी क्षेत्र में सूत-कताई करने वाली कत्तिनों और बुनकरों ने खादी उत्पादन बढ़ाने में विशेष योगदान दिया है और उनके पारिश्रमिक को बढ़ाने की मांग दशकों से लंबित रही है।

केवीआईसी अध्यक्ष ने कहा कि खादी उत्पादों की विगत वर्षों की तुलना में रिकार्ड बिक्री हुई है। 'खादी फॉर नेशन', 'खादी फॉर फैशन' और 'खादी फॉर ट्रांसफॉर्मेशन' के मूलमंत्र के साथ खादी अपनाने, उत्पादन तथा विक्रय को बढ़ाने वाले हर संभव प्रयास किए जा रहे हैं। इस अवसर पर उन्होंने बताया कि वित्तीय वर्ष 2021-22 में खादी और ग्रामोद्योग का उत्पादन 84,290 करोड़ एवं बिक्री 1,15,415 करोड़ की रही, एवं इस वर्ष खादी ग्रामोद्योग भवन, दिल्ली ने 2 अक्टूबर को एक दिन में 1.34 करोड़ रूपये की बिक्री का नया रिकॉर्ड बनाया है। उन्होने कहा कि खादी और ग्रामोद्योग आयोग अपने कारीगरों, बुनकरों, खादी संस्थाओं को अधिक से अधिक काम उपलब्ध कराने और पीएमईजीपी इकाइयों को विपणन में सहयोग देने के उद्देश्य से राष्ट्रीय और अंतर्राष्ट्रीय स्तर पर प्रदर्शनियों का आयोजन कर रहा है। स्व-रोजगार स्थापित करने के लिए पीएमईजीपी योजना के तहत ऋण स्वीकृति में तेजी लाई जा रही है।

मुख्यमंत्री की घोषणाओं पर त्वरित कार्यवाही करें: मुख्य सचिव

मुख्य सचिव ने घोषणाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा की

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। मुख्य सचिव अमिताभ जैन ने सभी विभागों के प्रमुख अधिकारियों को निर्देश दिए है कि मुख्यमंत्री भूपेश बघेल द्वारा भेंट मुलाकात, जिलों के दौरे और वीडियो कॉन्फ्रेंस सहित अन्य कार्यक्रम के मौके पर की गई घोषणाओं पर त्वरित क्रियान्वयन हो यह सुनिश्चित किया जाए। मुख्य सचिव अमिताभ जैन ने मंत्रालय महानदी भवन में अधिकारियों की उच्च स्तरीय बैठक में मुख्यमंत्री द्वारा की गई घोषणाओं के क्रियान्वयन की स्थिति की समीक्षा की। उन्होंने सभी विभागों के शीर्ष अधिकारियों को निर्देश दिए है कि वे अपने विभाग के अंतर्गत मुख्यमंत्री जी द्वारा की गई घोषणाओं के क्रियान्वयन की समीक्षा करें और शेष रह गई घोषणाओं पर शीघ्रता से कार्यवाही करें। मुख्य सचिव ने बैठक में कहा कि मुख्यमंत्री द्वारा जिलों में भेंट मुलाकात के दौरान की गई घोषणाओं और निर्देशों पर कलेक्टर स्थानीय स्तर पर कार्यवाही करें तथा जो कार्य राज्य स्तर पर किया जाएगा उसका प्रस्ताव तत्काल मुख्यमंत्री सचिवालय भेजे।

बैठक में मुख्यमंत्री के अपर मुख्य सचिव सुब्रत साहू भी शामिल हुए। बैठक में मुख्यमंत्री के सचिव सिद्धार्थ कोमल परदेशी ने विभिन्न विभागों के अंतर्गत मुख्यमंत्री जी द्वारा भेंट मुलाकात, जिलों के दौरे और अन्य कार्यक्रमों में की गई घोषणाओं के क्रियान्वयन के संबंध में प्रस्तुतिकरण के जरिए जानकारी प्रदान की। बैठक में बताया गया कि मुख्यमंत्री द्वारा की गई घोषणाओं में से 1638 घोषणाएं पूर्ण की जा चुकी है। वीडियो कॉन्फ्रेंस के जरिए आयोजित समीक्षा बैठक में प्रमुख सचिव स्कूल शिक्षा डॉ. आलोक शुक्ला, सामान्य प्रशासन तथा अनुसूचित जाति एवं जनजाति विकास विभाग के सचिव डीडी सिंह, राजस्व विभाग के सचिव एनएनएक्का, वित्त विभाग की सचिव अलरमेल मंगई डी., कृषि विभाग के सचिव डॉ. कमलप्रीत सिंह, ऊर्जा विभाग के सचिव अंकित आनंद, स्कूल शिक्षा विभाग के सचिव डॉ. एस.भारतीदासन सहित लोक स्वास्थ्य यांत्रिकी, खाद्य, गृह एवं वन, महिला एवं बाल विकास विभाग सहित अन्य विभागों के वरिष्ठ अधिकारी शामिल हुए।

अब कैंसर की जांच हुई आसान, 'हमर लैब' में मिल रही गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य जांच की सुविधा

रायपुर। प्रदेश के जरूरतमंद लोगों के लिए 'हमर लैब' संजीवनी के रूप में उभरा है। मरीजों को सरकारी अस्पतालों में अधिक से अधिक और आसानी से स्वास्थ्य सुविधा मिल सके, इसके लिए स्वास्थ्य विभाग निरंतर प्रयासरत है। मरीज इनसे लगातार लाभान्वित भी हो रहे हैं। पहले बड़ी बीमारियों की जांच कराने के लिए हजारों रूपए खर्च करना पडता था, लेकिन 'हमर लैब' में अब सभी प्रकार की स्वास्थ्य जांच निःशुल्क हो रही है। पंडरी स्थित रायपुर जिला चिकित्सालय में 62 साल के घनश्याम (परिवर्तित नाम) हार्निया की समस्या लेकर पहुंचे थे। उसकी प्राथमिक जांच के बाद सर्जन ने सीबीसी की सलाह दी। रायपुर जिला अस्पताल के 'हमर लैब' में ही उसकी सारी जांच की गई। जांच के बाद उसका डब्ल्यूबीसी काउंट एक लाख पांच हजार पाया गया। पैथोलॉजिस्ट डॉ. श्रद्धा साहू ने घनश्याम के स्वास्थ्य का परीक्षण कर पेरिफेरल स्मीयर की स्लाइड बनवाकर जांच की गई। इस टेस्ट में लाल व सफेद रक्त कोशिकाओं (आरबीसी और डब्ल्यूबीसी) और प्लेटलेट्स के आकार व संख्या की जांच की जाती है। यह दूसरे काउंट्स का पता लगाने में भी मदद करता है, जैसे डब्ल्यूबीसी या न्यूकोराईट के विभिन्न प्रकारों के आकार और संख्या की जांच करना।

घनश्याम के 'हमर लैब' में सम्पूर्ण जांच के बाद स्पलीन का बढ़ा होना पाया गया। रोगी के नमूने को साइटोजेनेटिक विश्लेषण के लिए भेजा गया जिसमें क्रॉनिक मायलोजेनस ल्यूकेमिया की पुष्टि हुई।

'हमर लैब' से जरूरतमंदों तक समय रहते इलाज पहुंच पा रहा है। प्रदेश में संचालित 'हमर लैब' के माध्यम से गुणवत्तापूर्ण जांच व डायग्नोस्टिक सेवाएं प्रदान की जा रही हैं। 'हमर लैब' राज्य के जिला अस्पतालों और सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्रों में स्थापित किए गए हैं।

नंदनी रोड, लिंक रोड, सर्कुलर मार्केट, जवाहर मार्केट पावर हाउस, भिलाई के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

प्रीति ड्रेसेस
मेन्स एण्ड लेडिस वियर
जवाहर मार्केट, पावरहाउस, भिलाई
मो. 9589230033, 9993840094

● जीन्स
● टी-शर्ट
● शर्ट
● ट्राउजर
भारत जींस
जवाहर मार्केट, पावर हाउस, भिलाई

आरना इंटरप्राईजेस
कांटावाला
वाटर प्यूरीफायर के विक्रेता एवं सुधारक
छत्तीसगढ़ शासन द्वारा मान्यता प्राप्त
इलेक्ट्रानिक तराजू एवं सीसीटीवी कैमरा के विक्रेता व सुधारक
सर्कुलर मार्केट केम्प-2, भिलाई, न्यू जेपी स्पोर्ट्स के सामने
7828844440, 9993045122
नया बस स्टैण्ड, शिव मंदिर रोड, दुर्ग, 09981370285, 9302833333

आर्टिफिशियल ज्वेलरी के विक्रेता
अनुप ट्रेडर्स
सर्कुलर मार्केट, केम्प-2, पावर हाउस, भिलाई

प्रमोद इंटरप्राइजेस
गेंहू, चांवल एवं दाल के थोक विक्रेता
लिंक रोड, केम्प-2, भिलाई-दुर्ग
फोन: 0788-2225449, 93290-13017

Hotel Shiv Prabha Inn. & Town King
The Family Restaurant
46-C Market, Near Sapana Talkies & Hotel Apana Keshari Lodge, Power House, Bhilai, Distt.-Durg (C.G.)
9893215251, 8966981590
Email.: ranjanaguptakeshari@gmail.com

BIHAR BOOT HOUSE
Jawahar Market, Power House
Bhilai 9826181183

थमने का नाम ले रही है करिश्मा तन्ना की हॉटनेस

टीवी एक्ट्रेस करिश्मा तन्ना हमेशा अपने बोल्ड और ग्लैमरस लुक्स से फैंस को इंप्रैस करती रहती हैं। वो जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर शेयर करती हैं तो लोग उनकी तारीफ करते नहीं थकते हैं। हालांकि करिश्मा तन्ना अपनी हर एक पोस्ट से फैंस के दिलों की धड़कनें भी बढ़ा देती हैं। हाल ही में उनकी लेटेस्ट हॉट फोटोज ने इंटरनेट का तापमान बढ़ा दिया है। करिश्मा तन्ना हमेशा अपने हॉट अंदाज से फैंस को इस कदर अपना कायल कर देती हैं कि लोगों की उन पर से नजरें हट पाना मुश्किल हो जाता है। हाल ही में उनकी लेटेस्ट तस्वीरों में एक्ट्रेस ने जेब्रा प्रिंट शॉर्ट ड्रेस पहनी हुई है, जिसमें वो बेहद ही शानदार लग रही हैं। एक्ट्रेस जब भी अपनी तस्वीरें इंस्टाग्राम पर पोस्ट करती हैं तो वो फैंस के बीच चर्चाओं का विषय बन जाती हैं। इन तस्वीरों में करिश्मा तन्ना ओपन हेयर और कानों में ईयरिंग्स फ्लॉन्ट करते हुए हॉट पोज दे रही हैं। उनके इस हॉट और सेक्सी लुक को फैंस काफी पसंद कर रहे हैं। बता दें कि करिश्मा तन्ना का हर लुक फैंस के बीच ट्रेंड करता है। एक्ट्रेस ने 39 की उम्र में भी खुद को काफी मेंटेन रखा है। उनकी फिटनेस देख कर उनकी उम्र का अंदाजा लगाना भी मुश्किल है। करिश्मा तन्ना की इंस्टाग्राम पर फैन फॉलोइंग लिस्ट काफी तगड़ी है और वो सोशल मीडिया पर भी काफी एक्टिव रहती हैं। बता दें कि एक्ट्रेस करिश्मा तन्ना अपनी एक्टिंग से ज्यादा फेमस अपने स्टाइलिश ड्रेसिंग सेंस की वजह से है। उनके हर एक लुक को लोग फॉलो करना पसंद करते हैं।

फिल्म कब्ज़ा में दिखेगा साउथ साथरन तान्या होप का जलवा

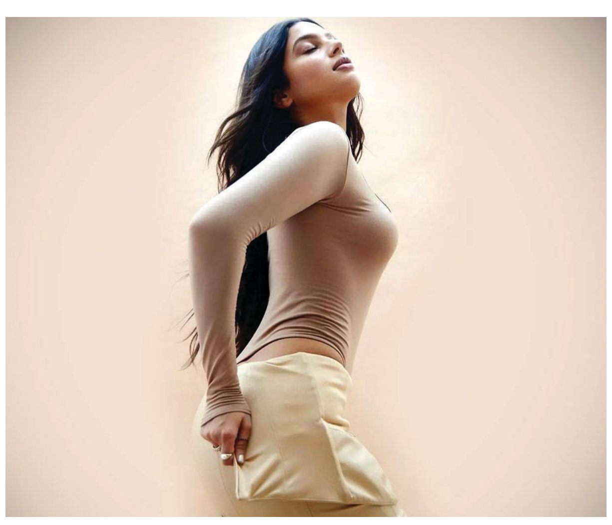

साउथ सिनेमा को अपनी खूबसूरती के कब्जे में लेने के बाद एक्ट्रेस तान्या होप, फिर से फिल्म कब्ज़ा के जरिये अब हल्ला बोलने को तैयार हैं। जी हा, एक्टर उपेंद्र की आनेवाली साउथ, पैन इंडिया रिलीज फिल्म कब्ज़ा में तान्या जबरदस्त डांस के जलवे बिखेरती नजर आएंगी।

इस बार तान्या एक्टर उपेंद्र के साथ कदम थिरकाते दिखेंगी। इसके पहले भी तान्या उनके साथ कन्नड़ फ़िल्म 'होम मिनिस्टर' में नजर आ चुकी हैं। तान्या ने कन्नड़ फिल्मों में 2019 में फ़िल्म 'यजामना' के साथ एक कैमियो करके अपनी इनिंग की शुरुवात की, भले ही किरदार छोटा रहा हो लेकिन 'बसन्त्रि' गाने पर तान्या का डांस धमाल, माशाअल्ला था जो दर्शको के दिल मे घर कर गया और एक सुपरहिट नंबर बना।

इस बार भी कब्ज़ा फिल्म में उपेंद्र के साथ तान्या हिस्ट्री क्रिएट करने के लिए तैयार हैं। जिसकी शूटिंग कुछ ही हफ्तों में शुरू होगी।

गाने को जानी मास्टर द्वारा कोरियोग्राफ किया जाएगा, जो सभी भाषाओं में अपने काम के लिए जाने जाते हैं। हाल ही में विक्रांत रोना के गाने 'रा रा रकम्मा' जैसा सुपरहिट डांस नंबर दे चुके हैं।

उन्होंने तान्या के साथ आयुष शर्मा की आगामी हिंदी फिल्म में एक विशेष गीत पर भी काम किया है। कब्ज़ा के निर्माता, इस खास गाने के लिए एक भव्य सेटअप पर काम कर रहे हैं, जिसे चार से पांच दिनों के शेड्यूल में शूट किया जाएगा।

काम की बात करे तो, तान्या, मुख्य रूप से तमिल, तेलुगु और कन्नड़ फिल्मों में काम करती हैं, जो गोलमाल और किक की रिलीज का इंतजार कर रही हैं। उम्मीद की जा रही है कि तान्या डिज़्नी+ हॉटस्टार के लिए एक वेब सीरीज़ करके लॉन्ग-फॉर्मेट स्टोरीटेलिंग में अपनी शुरुआत करेंगी। आर चंद्रू द्वारा लिखित और निर्देशित कब्ज़ा नौ भाषाओं में रिलीज़ होने के लिए तैयार है। निर्माताओं ने हाल ही में कई भाषाओं में गीत का पहला लिरिकल सांग वीडियो जारी किया। फिल्म का पोस्ट प्रोडक्शन चल रहा हैं और 17 मार्च को पैन इंडिया रिलीज की जाएगी।

हेरा फेरी 3 की शूटिंग शुरू, अक्षय कुमार की मौजूदगी पर लगी मोहर

बॉलीवुड फिल्में हेरा फेरी और फिर हेरा फेरी को लोगों ने काफी पसंद किया था। इस फ्रेंचाइजी की तीसरी फिल्म की लोग काफी समय से डिमांड कर रहे हैं। बीते दिनों फिल्म हेरा फेरी 3 को लेकर काफी खबरें आईं। फिल्म हेरा फेरी 3 अपनी स्टारकास्ट को लेकर सबसे ज्यादा चर्चा में रही है। खबरों में दावा किया गया कि फिल्म में अक्षय कुमार की जगह कार्तिक आर्यन को लिया गया है। वहीं, अक्षय कुमार ने भी स्पष्ट कर दिया था कि वह फिल्म स्क्रिप्ट से संतुष्ट नहीं थे इसलिए खुद को इससे दूर कर लिया। अब फिल्म हेरा फेरी 3 को लेकर नया अपडेट सामने आया है। लेटेस्ट रिपोर्ट में बताया गया है कि फिल्म हेरा फेरी 3 की शूटिंग शुरू हो गई है और फिल्म में पुरानी स्टारकास्ट अक्षय कुमार, सुनील शेट्टी और परेश रावल नजर आएंगे।

रिपोर्ट के मुताबिक, अक्षय कुमार, सुनील शेट्टी और परेश रावल ने फिल्म हेरा फेरी 3 की शूटिंग शुरू कर दी है। मुंबई के फिरोज नाडियाडवाला के एम्पायर स्टूडियो में फिल्म में शूटिंग शुरू हुई है। फिल्म का डायरेक्शन अनीष बज्मी नहीं कर रहे हैं। फिल्म हेरा फेरी 3 के डायरेक्शन की जिम्मेदारी फरहाद सामजी को दी गई है। रिपोर्ट में ये भी बताया गया है कि अक्षय कुमार के फिल्म में कैसे लौटे हैं, इसको लेकर जानकारी सामने नहीं आई है। लेकिन बताया जा रहा है कि अक्षय कुमार के लिए फिल्म हेरा फेरी 3 में कुछ बदलाव किए गए हैं।

फिल्म की कास्टिंग को लेकर खूब विवाद भी हुआ। कभी खबरें आईं कि अक्षय कुमार तीसरी किस्त में नहीं होंगे तो कभी इसमें उनके होने की चर्चा से बॉलीवुड का बाजार गर्म रहा।

अधिक स्क्रीन टाइम से बालों पर पड़ सकता है बुरा प्रभाव, जानिए बचने के तरीके

लैपटॉप, कंप्यूटर और मोबाइल जैसे डिजिटल गैजेट्स से निकलने वाली नीली रोशनी के अधिक संपर्क में रहने से न सिर्फ आंखों और त्वचा पर बल्कि बालों पर भी बुरा प्रभाव पड़ता है। एक अध्ययन के अनुसार, मोबाइल के अत्यधिक उपयोग से विद्युत चुम्बकीय विकिरण बालों के विकास चक्र को बुरी तरह से प्रभावित करता है। इससे बाल झड़ने लगते हैं। आइए आज हम आपको इस स्थिति से बचने के तरीके बताते हैं।

सीमित करें मॉर्डन गैजेट्स का उपयोग

डिजिटल उपकरणों के उपयोग को सीमित करना बालों के स्वास्थ्य को बेहतर रखने वाले उपायों में से एक है। सोने से पहले फोन का उपयोग करने की बजाय किताब पढ़ने की आदत डालें। इसके अलावा सोने से कम से कम दो-तीन घंटे पहले मोबाइल का इस्तेमाल करना बंद कर दें। हालांकि, अगर उपयोग करना बहुत जरूरी है तो अपने लैपटॉप, मोबाइल, टीवी और अन्य उपकरणों को नाइट मोड सेटिंग पर ले जाकर कार्य करें।

पर्याप्त नींद लेना भी है जरूरी

अच्छी गुणवत्ता वाली नींद शरीर की कोशिकाओं को पुनर्जीवित करने में मदद करती है। मोबाइल को दूर करके हर रात एक ही समय पर सोने का नियम बनाएं और अच्छी नींद के लिए आरामदायक माहौल तैयार करें। इसके लिए शोरगुल और रोशनी से मुक्त जगह का चयन करें। इसी तरह अपने बिस्तर का गद्दा और तकिए मुलायम चुनें। अगर आपका गद्दा और तकिया चुभने वाला होगा तो वह आपको पूरी रात परेशान करेगा और आपको अच्छी नींद नहीं आएगी।

संतुलित आहार का है विशेष महत्व

बालों को स्क्रिन टाइम से पड़ने वाले प्रभाव से बचाने के लिए संतुलित आहार और प्रोटीन भी जरूरी है। बालों की मजबूती के लिए खाने में प्रोटीन का सेवन बढ़ाना फायदेमंद रहेगा। विशेषज्ञों के मुताबिक, महिलाओं के लिए न्यूनतम प्रोटीन की आवश्यकता प्रतिदिन 46 ग्राम है, जबकि पुरुषों के लिए प्रतिदिन 56 ग्राम है। सोया उत्पाद, दुग्ध उत्पाद, पीनट बटर, चिया बीज, हरी मटर और हरी पत्तेदार सब्जियों का सेवन प्रोटीन का बेहतरीन स्त्रोत हैं।

तनाव को करें कम

डिजीटल उपकरणों का अधिक उपयोग तनाव का कारण बनता है और अत्यधिक भावनात्मक या शारीरिक तनाव से बालों का झड़ना बढ़ सकता है। ऐसे में इसे नियंत्रित करना जरूरी है। इसके लिए नियमित रूप से मेडीटेशन करें। वहीं अक्सर लोग तनाव या स्ट्रेस की वजह से अकेला रहना पसंद करते हैं, लेकिन इससे आपकी समस्या और भी बढ़ सकती है। इसलिए ऐसा न करें और लोगों से बातचीत करें।

बालों के सीरम का करें इस्तेमाल

अगर डिजीटल उपकरणों के नकारात्मक प्रभाव के कारण होने वाली बालों की समस्या से राहत चाहते हैं तो अपने हेयरकेयर रूटीन में सीरम को शामिल करें। सीरम बालों का विकास करने के साथ-साथ रूखे और बेजान बालों को ठीक करने में बड़ी मदद कर सकता है। यही नहीं, बालों का सीरम लगने के बाद एक लाइट रिफलेक्टर की तरह काम करता है, जिसके कारण बाल काफी चमकदार दिखते हैं।

कलाई को मजबूती देने में मदद कर सकती हैं ये 5 आसान एक्सरसाइज

अगर आपकी कलाई चोट, दर्द या कार्पल टनल सिंड्रोम जैसी समस्याओं के लिए अतिसंवेदनशील हैं तो इसे मजबूत करने वाली एक्सरसाइज आपको बहुत लाभ पहुंचा सकती हैं। अच्छी बात है कि इन एक्सरसाइज से कलाई पर दबाव नहीं पड़ता है और इसके लचीलेपन में भी सुधार होता है। आइए आज हम आपको पांच तरह की कलाई की एक्सरसाइज के बारे में बताते हैं, जिन्हें घर पर करना आसान है।

रिस्ट सर्कल

सबसे पहले एक्सरसाइज मैट पर अपनी पीठ को सीधा रखते हुए बैठें या खड़े हो जाएं। अब अपने हाथों को कंधे के समान आगे की ओर बढ़ाएं और प्रत्येक हथेली से मुट्ठी बनाएं। इसके बाद अपनी कोहनियों को स्थिर रखते हुए अपनी कलाइयों को बाईं ओर मोड़ें, फिर उन्हें ऊपर की ओर मोड़ें। अब मुट्ठी को दाईं ओर मोड़ें और फिर नीचे की ओर झुकाएं। इसी तरह मुट्ठी को क्लॉकवाइज और एंटी-क्लॉकवाइज में 8-10 बार दोहराएं।

रिस्ट स्ट्रेचिंग

रिस्ट स्ट्रेचिंग एक्सरसाइज का अभ्यास भी कलाई के दर्द से लेकर कई समस्याओं से राहत दिलाने में मदद कर सकता है। इसके लिए अपने एक हाथ को सामने की तरफ करते हुए दूसरे हाथ से उसकी उंगलियों को पकड़ें और धीरे से उन्हें नीचे की ओर स्ट्रेच करें। इन्हें कुछ सेकेंड के लिए ऐसे ही रखें और फिर छोड़ दें। दूसरे हाथ से भी इसी तरह एक्सरसाइज करें। इस एक्सरसाइज को रोजाना पांच बार करें।

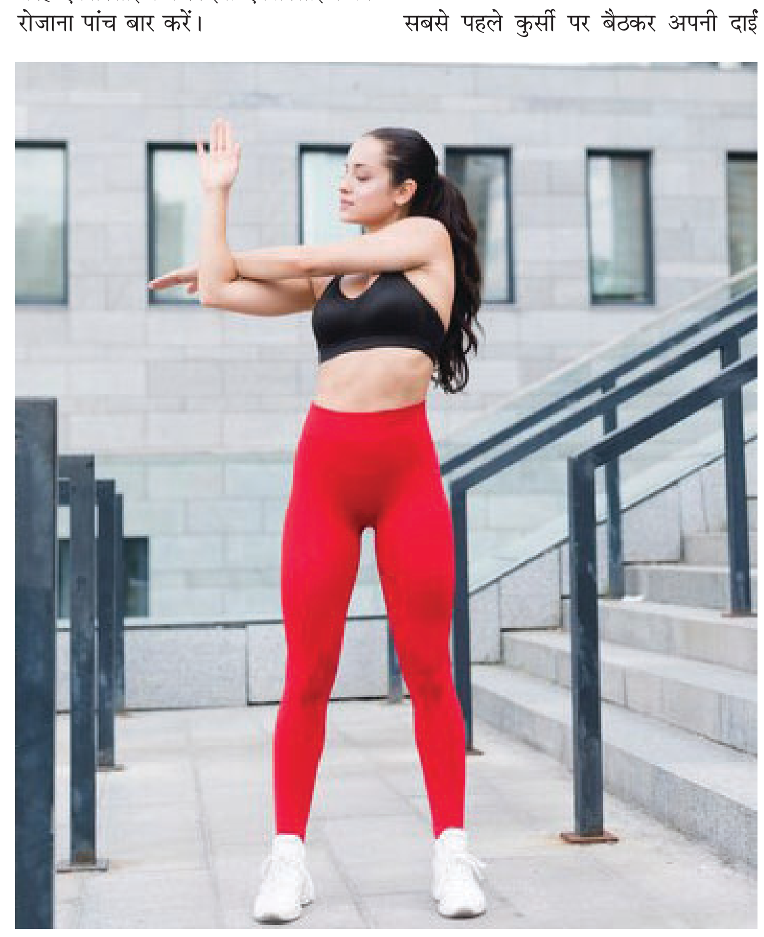

रेजिस्टेंस बैंड रिस्ट फ्लेक्सन

सबसे पहले कुर्सी पर बैठकर अपनी दाईं हथेली के चारों ओर एक ट्यूब रेजिस्टेंस बैंड लपेटें और अपने दाएं पैर के साथ बैंड के दूसरे छोर पर कदम रखें। अब अपनी दाईं कोहनी को अपनी दाईं जांघ पर रखकर हथेली ऊपर की ओर करें। यह शुरुआती स्थिति है। इसके बाद अपनी मुट्ठी को नीचे फर्श की ओर लाएं। इस मुद्रा को एक सेकंड के लिए रोकें। फिर अपनी कलाई को अपने शरीर की ओर घुमाएं। ऐसा 10 बार करें।

रिस्ट एक्सटेंशन

सबसे पहले अपने हाथों को सामने की तरफ करते हुए कंधों की सीध में फैलाएं। अब अपने एक हाथ की उंगलियों की मदद से दूसरे हाथ की उंगालियों को पीछे की ओर स्ट्रेच करें। दो सेकंड के लिए इसी मुद्रा में ठहरें। अब अपने हाथों को पूरी तरह से तब तक न खोलें जब तक आपकी उंगलियां स्ट्रेचिंग महसूस न करें। ऐसा दोनों हाथों से करें और इस प्रक्रिया को रोजाना कम से कम पांच बार दोहराएं।

फोम रोलिंग

इस एक्सरसाइज के लिए आप टेनिस या क्रिकेट की गेंद का प्रयोग कर सकते हैं। लाभ के लिए अपनी कलाई को गेंद के ऊपर रखें और इस दौरान हथेली को नीचे की ओर रखें। अब थोड़ा दबाव डालें और अपनी कलाई गोलाकार गति में घुमाएं। दूसरे हाथ से भी ऐसा ही करें। यह एक्सरसाइज कलाई की मांसपेशियों की मालिश करने में मदद करेगी।

दुर्ग, सुपेला और कोहका प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Paul Sir
BANK P.O. & CLERK, MBA, RLY., SSC.
रामा कोचिंग
135,NEW CIVIC CENTER, Bhilai Ph. 0788-6560005

चौरसिया ज्वेलर्स
आकर्षक सोने चांदी के आभूषणों के निर्माता एवं विक्रेता
बेन्टेक्स एवं ग्रहरल उपलब्ध यहां
उचित ब्याज दर पर गिरवी रखी जाती है

मुक्तिधाम रोड, रामनगर, सुपेला, भिलाई
9827938211, 9827171332

खास खबर

लाईवलीहुड कॉलेज जोरा में 24 को प्लेसमेंट कैंप का आयोजन

रायपुर। जिला कौशल विकास प्राधिकरण रायपुर द्वारा संकल्प परियोजना के अंतर्गत, लाईवलीहुड कॉलेज जोरा में प्लेसमेंट कैंप का आयोजन 24 फरवरी को सुबह 10:30 बजे से 3 बजे तक किया जायेगा। इस प्लेंसमेंट कैंप में आयुष्मान भारत कार्यक्रम के स्टेट नोडल एजेंसी सोसायटी द्वारा अधिकृत निजी क्षेत्र के प्रतिष्ठान कलर प्लास्ट सिस्टम प्राईवेट लिमिटेड रायपुर द्वारा, आयुष्मान कार्ड बनाने एवं उसके वितरण के लिये युवाओं के चयन हेतु साक्षात्कार लिया जाएगा। इस संस्थान द्वारा कम्पयूटर ऑपरेटर के लगभग 100 पदों के लिये साक्षात्कार लिया जाएगा। सहायक संचालक जिला कौशल विकास प्राधिकरण रायपुर ने बताया कि रायपुर जिले के ऐसे युवा जो कम से कम 12वीं परीक्षा उत्तीर्ण है। जिन्हें कम्पयूटर ऑपरेट करने का ज्ञान हो और जिनकी आयु 21 वर्ष से 35 वर्ष तक हो। ऐसे युवा अपने सभी प्रमाण पत्रों के मूल एवं सत्यापित प्रतिलिपि के साथ इस प्लेसमेंट कैंप में साक्षात्कार के लिये उपस्थित हो सकतें हैं। यह प्लेसमेंट कैंप युवाओं के लिये पूर्णत: नि:शुल्क है। मुख्यमंत्री कौशल विकास योजना या प्रधानमंत्री कौशल विकास योजना अंतर्गत डोमेस्टिक डाटा ऐंन्ट्री ऑपरेटर, ऑफिस अस्सिटेंट आदि व्यवसाय में कौशल प्रशिक्षित युवाओं को चयन में प्राथमिकता दिया जायेगा। इसके लिए चयनित युवाओं को उनके योग्यता एवं कार्यानुसार प्रतिमाह 8 हजार से 12 हजार रूपये का मानदेय दिया जाएगा एवं इनका कार्यक्षेत्र रायपुर जिला होगा।

सामाजिक और व्यवहार परिवर्तन पर प्रशिक्षण आयोजित

राजनांदगांव। यूनिसेफके सहयोग से एलायंस फॉर बिहेवियर चेंज छत्तीसगढ़ के मार्गदर्शन में सृजन सामाजिक संस्था के माध्यम से शा. दिग्विजय महाविद्यालय के छात्र-छात्राओं के लिए सोशल इमर्जन कार्यक्रम अंतर्गत फेलोशिप प्रारंभ किया गया, जिसके अंतर्गत एक दिवसीय प्रशिक्षण का आयोजन संस्था के प्रधान कार्यालय में किया गया। प्रशिक्षण मुख्यत: सामाजिक एवं व्यवहार परिवर्तन संचार पर आधारित था। प्रशिक्षक के रूप में छत्तीसगढ़ राज्य बाल अधिकार संरक्षण आयोग के पूर्व सदस्य व राज्य स्तरीय प्रशिक्षक शरद वास्तव और किशोर न्याय बोर्ड के सदस्य व राज्य स्तरीय प्रशिक्षक विपिन ठाकुर उपस्थित थे। एक दिवसीय प्रशिक्षण में प्रतिभागियों को सामाजिक व्यवहार परिवर्तन संचार, सामाजिक पारिस्थितिक मॉडल एवं सहभागी ग्रामीण अध्ययन विषय पर विस्तार से जानकारी दी गई। व्यवहार परिवर्तन के विभिन्न चरणों पर बात करने के साथ साथ सहभागी ग्रामीण अध्ययन के विभिन्न विधियों और तरीकों पर प्रकाश डाला गया। प्रशिक्षण उपरान्त प्रतिभागी चयनित ग्राम में जाकर गांव के स्वास्थ्य, पोषण, स्वच्छता, जीविकोपार्जन, बाल संरक्षण एवं ग्रामीण जीवन चक्र पर अध्ययन करेंगे। प्रशिक्षण के दौरान प्रतिभागियों को ग्रामीण संसाधन मानचित्र, मौसमी चित्रण, चपाती चित्रण, मैट्रिक्स और जीवन चक्र सहभागी अध्ययन पर प्रैक्टिकल के माध्यम से विस्तार से समझाया गया।

सीपीएल टी 20 मुकाबले में अबूझमाड़ टाइगर्स और रायपुर कैपिटल्स की जीत

रायपुर। छत्तीसगढ़ क्रिकेट काउंसिल और वीर स्पोर्ट्स क्लब के संयुक्त तत्वाधान में आयोजित छत्तीसगढ़ प्रीमियर लीग के अंतर्गत आज ग्यारहवें दिन शहीद वीर नारायण सिंह अंतर्राष्ट्रीय क्रिकेट स्टेडियम में 2 मैच एथेना अबूझमाड़ टाइगर्स और एचटीसी भिलाई इंडियंस एवं हीरा सुपर पॉवर दुर्ग और वेनिंगटन कोर्ट रायपुर केपिटल्स के मध्य खेला गया। छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी खेलकूद प्रकोष्ठ एवं आयोजन समिति के अध्यक्ष प्रवीण जैन ने जानकारी देते हुए बतलाया कि अबूझमाड़ टाइगर्स ने टॉस जीत कर पहले बल्लेबाजी का फैसला किया जो गलत साबित हुआ, अबूझमाड़ ने पहले 2 ओवर में महत्वपूर्ण 4 विकेट गंवा दिए, इसके बाद बल्लेबाजी का क्रम संभालते हुए चंद्रहास 54 गेंदों पर 74 और श्रेयष मुखर्जी 52 गेंदों पर 59 रनों की शतकीय साझेदारी के बाद 8 विकेट के नुकसान पर निर्धारित 20 ओवर में 160 रन बनाए। भिलाई इंडियंस की ओर से शौकत अली और देवव्रत ने 4-4 विकेट हासिल किए। जवाब में एचटीसी भिलाई इंडियंस की टीम 9 विकेट पर 125 रन ही बना सकी, जिसमें हेमंत साहू ने 56 रन बनाए। अबूझमाड़ की ओर से बाबूलाल ने चार विकेट चटकाए। चंद्रहास को मैन ऑफद मैच चुना गया। वहीं दिन के दूसरे मैच में रायपुर केपिटल्स ने टॉस जीतकर पहले बल्लेबाजी करते हुए निर्धारित 17 ओवरों में 6 विकेट के नुकसान पर पीयूष 39 और सूर्य 25 की बदौलत 116 रन 6 विकेट पर बनाएं। दुर्ग की ओर से विकाश यादव ने 3 विकेट लिए जवाब में सुपर पावर दुर्ग 17 ओवर में नौ विकेटों पर 83 रन ही बना सकी।

बच्चों के छुपे हुए हुनर को निखारने, चेम्बर भवन में किड्स कार्निवल समारोह का हुआ सफल आयोजन

श्रीकंचनपथ न्यूज

रायपुर। महिला चेंबर प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती मधु अरोरा जी ने बताया कि छत्तीसगढ़ महिला चेम्बर द्वारा चै. देवीलाल व्यापार उद्योग भवन, बाम्बे मार्केट, रायपुर में दिनांक 20 फरवरी 2023 को 10 वर्ष की आयु तक के किड्स कार्निवल का आयोजन किया गया। महिला चेंबर अध्यक्ष श्रीमती मधु अरोरा ने बताया कि किड्स कार्निवल आयोजित करने का उद्देश्य बच्चों को अपनी प्रतिभा और गतिविधियों को दिखाने और मंच पर प्रदर्शन करने के लिए मंच देना है।

माता पिता को उनके बच्चों की प्रतिभा से रूबरू कराना है आमतौर से माता-पिता को अपने बच्चों के संबंध में पढ़ाई के अतिरिक्त कुछ और महसूस नहीं हो पाता जबकि प्रत्येक बच्चे में कुछ ना कुछ हुनर होता है उसी हुनर को किड्स कार्निवल समारोह की माध्यम से उजागर किए जाने का प्रयास है। समारोह में बच्चों के बौद्धिक विकास हेतु प्रश्नोत्तरी काल भी रखा गया तथा बच्चों के लिए फैंसी ड्रेस प्रतियोगिता नृत्य प्रतियोगिता कहानी सुनाना कविता पाठ जैसी एक्टिविटीज रखी गई जिससे कार्निवल मनोरंजन से भरपूर बना रहा। महिला चेम्बर प्रदेश अध्यक्ष श्रीमती मधु अरोरा ने बताया आज छोटे बच्चों के लिए कार्यक्रम रखा। छोटे बच्चों ने भाग लिया। छोटे बच्चों के टॅलेंट को एक मंच दिया इस प्रोग्राम की खासियत यह रही कि तीन बच्चे न सुन सकते हैं न बोल सकते उन तीनों ने बहुत ही गजब प्रागोम किया। एक बच्चा डाक्टर साहब बन सबको इशारे से समझा रहा है कि मैं डाक्टर बन सब की सेवा करुंगा। दूसरा बच्चा बता रहा है कि मैं बड़ा होकर रंग-बिरंगे बलून बिक्री करुंगा एवं सभी कलर बता रहा है। तीसरी बच्ची झांसी की रानी बन कह रही है कि अपने वतन की रक्षा करुंगी। बच्चों को आगे लाने उनका हौसला बढ़ाने में महिला चेंबर का विशेष प्रयास रहा। कार्यक्रम संयोजक एवं प्रदेश चेम्बर मंत्री शंकर बजाज, प्रीति उपाध्याय और सरप्राइज गिफ्ट कॉर्नर शंकर नगर के कपिल एवं जज के रूप में श्रीमती समता अग्रवाल और श्रीमती कंचन बजाज की सक्रिय भूमिका रही। संदीप शर्मा द्वारा संचालित लावण्या अकादमी के 20 बच्चे, अर्पण दिव्यांग स्कूल के 4 बच्चे मूक-बधिर अन्य श्रेणियों के बच्चे इस कार्यक्रम में शामिल हुए। कार्यक्रम का संचालन महिला चेम्बर पदाधिकारी नीलम दिवाकीर्ति, प्रीति उपाध्याय एवं अनमोल परवानी ने किया। श्रीमती अरोरा ने कार्यक्रम को सफल बनाने के लिए महिला चेम्बर की पूरी टीम को हार्दिक धन्यवाद दिया। कार्यक्रम में शामिल बच्चों को चेम्बर प्रदेश अध्यक्ष अमर पारवानी जी द्वारा पुरस्कार वितरित किए गए। इस अवसर पर महिला चेम्बर संरक्षक आभा मिश्रा, अध्यक्ष मधु अरोरा, नीलम दिवाकीर्ति, भवानी राव, प्रीती उपाध्याय, कांता धीमान, सपना द्विवेदी, सुनीला अग्रवाल, सोमा घोष, प्रीति मिश्रा, विनीता शुक्ला, चेम्बर प्रदेश अध्यक्ष अमर परवानी, महामंत्री अजय भसीन, कार्यकारी अध्यक्ष- राजेंद्र जग्गी, विक्रम सिंहदेव, सलाहकार-सुरिन्दर सिंह, संगठन मंत्री-महेन्द्र कुमार बागरोड़िया, मंत्री-संदीप शर्मा, सांस्कृतिक प्रभारी आलोक शर्मा, नितिन आदि प्रमुख रूप से उपस्थित थे।

111 जोड़ा वर-वधु पारंपरिक रीति-रिवाज से एक-दूसरे का बने हमसफर

विधायक, कलेक्टर और जनप्रतिनिधियों ने नवदंपति को सुखद वैवाहिक जीवन का दिया आशीष

श्रीकंचनपथ न्यूज

बीजापुर। छत्तीसगढ़ शासन की महत्वपूर्ण योजना मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना का गरिमामय आयोजन भैरमगढ़ ब्लाक के जांगला में संपन्न हुआ। जहां 111 जोड़े नवदंपति ने आदिवासी रीति-रिवाज एवं परंपरानुसार एक-दूसरे का हाथ थामा, जिले भर से आए वर-वधु के परिवार, रिश्तेदार एवं विशाल जनसमूह विवाह का साक्षी बना, इस अवसर मुख्य अतिथि क्षेत्रीय विधायक एवं बस्तर विकास प्राधिकरण के उपाध्यक्ष विक्रम शाह मंडावी, जिला कलेक्टर श्री राजेन्द्र कुमार कटारा सहित वरिष्ठ जनप्रनिधिगण पालक के रुप में नवदंपति सुखद वैवाहिक जीवन का शुभ आशीर्वाद दिया।

विधायक श्री विक्रम मंडावी ने प्रदेश के मुखिया श्री भूपेश बघेल को धन्यवाद देते हुए कहा कि हजारों माता-पिता को अपने बच्चों की शादी की चिंता रहती है किन्तु आर्थिक रुप से सक्षम नहीं होने के कारण और वैवाहिक आयोजन अधिक खर्चीला होने से समस्याओं का सामना करना पड़ता है। इन परिवारों के लिए मुख्यमंत्री कन्या विवाह योजना सहारा बनती है। माता-पिता और वर-वधु में उत्साह देखने को मिला जो इस योजना से लाभान्वित हुये शासन नि:शुल्क विवाह करा रही है। आर्थिक बोझ से मुक्ति मिल रही है।

इस अवसर पर समस्त नवदंपति की विधायक श्री विक्रम मंडावी ने आशीर्वाद दिया, कलेक्टर राजेन्द्र कुमार कटारा ने सभी वर-वधु को सुखद वैवाहिक जीवन का आशीष दिया। पूरे कार्यक्रम में बीजादूतीर स्वंय सेवकों का उल्लेखनीय योगदान रहा। वहीं पिछले 1 वर्ष से सुदूर क्षेत्रों में सेवा दे रही स्वंय सेविका, भानुप्रिया अपने जीवन साथी करण तेलाम एवं स्वंय सेवक घासीराम ने भी सामूहिक विवाह के आयोजन में शादी किया। इस अवसर पर जिला पंचायत अध्यक्ष शंकर कुडियम, उपाध्यक्ष कमलेश कारम, जिला पंचायत एवं बस्तर विकास प्राधिकरण के सदस्य श्रीमती नीना रावतिया उददे, जिला पंचायत एवं कृषक कल्याण बोर्ड के सदस्य श्री बंसत राव ताटी, जिला पंचायत सदस्य सोमारु राम कश्यप, जिला पंचायत सदस्य श्रीमती संत कुमारी मंडावी, श्रीमती पार्वती कश्यप , जनपद अध्यक्ष दशरथ कुंजाम, उपाध्यक्ष सहदेव नेगी, सरपंच जांगला बोधराम पोयाम, डीएफओ अशोक पटेल, जिला पंचायत सीईओ रवि कुमार साहू, जिला कार्यक्रम अधिकारी महिला एंव बाल विकास विभाग सहित एसडीएम, तहसीलदार, सीईओ जनपद पंचायत एवं अधिकारी-कर्मचारी उपस्थित थे।

समाधान तुंहर दुआर शिविर में प्राप्त आवेदनों का शत प्रतिशत निराकरण सुनिश्चित करें- कलेक्टर

श्रीकंचनपथ न्यूज

बालोद। कलेक्टर कुलदीप शर्मा ने कहा कि जिले के प्रत्येक ग्राम पंचायतों में आयोजित होने वाली 'समाधान तुंहर दुआर' शिविर में प्राप्त आवेदन पत्रों का शत प्रतिशत गुणवत्तायुक्त निराकरण सुनिश्चित कराई जाय। शर्मा ने कहा कि 'समाधान तुंहर दुआर' शिविर का आयोजन राज्य शासन के विशेष प्राथमिकता में शामिल है। इसलिए इस कार्य में लापरवाही बिल्कुल भी बर्दाश्त नहीं की जाएगी। उन्होंने सभी अधिकारियों को शिविर में प्राप्त आवेदनों का तत्काल निराकरण कर आम जनता के मांगों एव समस्याओं का निराकरण सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। कलेक्टर शर्मा आज संयुक्त जिला कार्यालय सभाकक्ष में आयोजित बैठक में उपस्थित अधिकारियों को उक्ताशय के निर्देश दिए हैं। बैठक में जिला पंचायत के मुख्य कार्यपालन अधिकारी ने डॉ. रेणुका वास्तव, अपर कलेक्टर इंदिरा तोमर सहित राजस्व अनुविभागीय अधिकारियों के अलावा अन्य अधिकारीगण उपस्थित थे।

बैठक में कलेक्टर ने 'समाधान तुंहर दुआर' शिविर में प्राप्त कुल आवेदन पत्र तथा उनके समुचित निराकरण हेतु की गई कार्रवाई की विस्तृत समीक्षा की। कलेक्टर ने कहा कि विभिन्न ग्राम पंचायतों में अब तक आयोजित 'समाधान तुंहर दुआर' शिविरों में लगभग 08 हजार आवेदन पत्र प्राप्त हो चुकें हैं। जिनका निराकरण की कार्रवाई भी संबंधित विभागों के द्वारा तत्परता से की गई है। उन्होंने शिविर में प्राप्त आवेदन पत्रों को पंजीबद्ध करने हेतु प्रत्येक ग्राम पंचायतों में संधारित किए गए पंजी को मंगवाकर अवलोकन करने की भी जानकारी दी। शर्मा ने पेंशन प्रकरणों से संबंधित आवेदन पत्रों के परीक्षण उपरांत पात्रतानुसार पेंशन स्वीकृति के पश्चात् ऑनलाइन पोर्टल में दर्ज कराने के निर्देश दिए।

इस दौरान उन्होंने विशेष परिस्थिति में ग्राम पंचायतों में आयोजित होने वाली 'समाधान तुंहर दुआर' शिविर की तिथि में परिवर्तन की आवश्यकता पड़ने पर समुचित प्रचार-प्रसार के उपरांत ही तिथि में परिवर्तन करने के निर्देश अधिकारियों को दिए हैं। कलेक्टर ने अधिकारियों से शिविर में मांग और शिकायतों से संबंधित कुल आवेदनों की भी जानकारी ली। उन्होंने अधिकारियों को सख्त निर्देश देते हुए कहा कि 'समाधान तुंहर दुआर' शिविर में प्राप्त आवेदन पत्रों के आधार पर पात्रतानुसार हितग्राहियों को सामग्रियों तथा प्रमाणपत्र आदि का वितरण केवल संबंधित ग्राम पंचायत में ही की जाय।

कलेक्टर ने सुनी लोगों की समस्याएं, जनचौपाल में मिले 33 आवेदन

श्रीकंचनपथ न्यूज

गरियाबंद। जिले के छुरा विकासखण्ड के ग्राम बिरनीबाहरा में लो-वोल्टेज की समस्या से ग्रामीणों को जूझना नहीं पड़ेगा। एक माह के भीतर उनकी यह समस्या दूर हो जायेगी। आज जन चौपाल में ग्राम बिरनीबाहरा के नवयुवकों ने कलेक्टर मलिक को गांव में विगत पांच वर्षो से लो-वोल्टेज की समस्या होने की बाते बताई। कलेक्टर मलिक ने मौके पर उपस्थित सीएसपीडीसीएल के कार्यपालन यंत्री को उक्त गांव में बेहतर विद्युत आपूर्ति हेतु निर्देशित किया। उन्होंने भरोसा दिलाया कि विभागीय गतिविधियों के तहत आगामी एक माह के भीतर लो-वोल्टेज की समस्या का समाधान कर लिया जायेगा। जिला कार्यालय गरियाबंद में प्रत्येक सप्ताह मंगलवार को आयोजित जनचौपाल में ग्रामीण एवं शहरी क्षेत्र से आये 33 लोगों ने अपनी समस्या संबंधी आवेदन प्रस्तुत किये। कलेक्टर प्रभात मलिक ने लोगों की समस्याएं सुनी। उन्होंने मौके पर ही आवेदकों की समस्या संबंधी आवेदन को संबंधित विभाग के अधिकारियों को निराकरण हेतु आवेदन सौंपे। साथ ही आवेदकों को उनकी समस्या का शीघ्र निराकरण का भरोसा दिलाया। जनचौपाल में ग्राम ग्राम बोरिद के जीवन राम भुंजिया, ग्राम कोसमी के नंदलाल, महेतरू, भूनेश, कोमल, श्यामलाल, बुनीबाई, हाथबाय के सरजू ने वन अधिकार पट्टा प्रदाय करने संबंधी आवेदन प्रस्तुत किया है।

जिले में पहली बार कुपोषण को दूर करने लहलहाती रागी फसल

उत्पादित रागी भोजन के रूप में आंगनबाड़ी, मध्यान्ह भोजन एवं गर्भवती महिलाओं को तथा कुपोषित बच्चों में कुपोषण को दूर करने के लिए किया जायेगा

श्रीकंचनपथ न्यूज

महासमुंद। पूरे छत्तीसगढ़ सहित महासमुंद ज़िले में मिलेट के उत्पादन और उपभोग को बढ़ावा दिया जा रहा है। महासमुंद जिले में पहली बार कुपोषण को दूर करने हेतु लहलहाती पोषक रागी फसल लगाए गए है। छत्तीसगढ़ शासन की महत्वाकांक्षी योजना मिलेट्स मिशन अंतर्गत महासमुंद जिले के अंतर्गत सभी विकासखण्डों में मिलेट्स वर्ष का क्रियान्वयन किया जा रहा है। महासमुंद जिले को कुल लक्ष्य 1500 हेक्टेयर प्राप्त हुआ है।

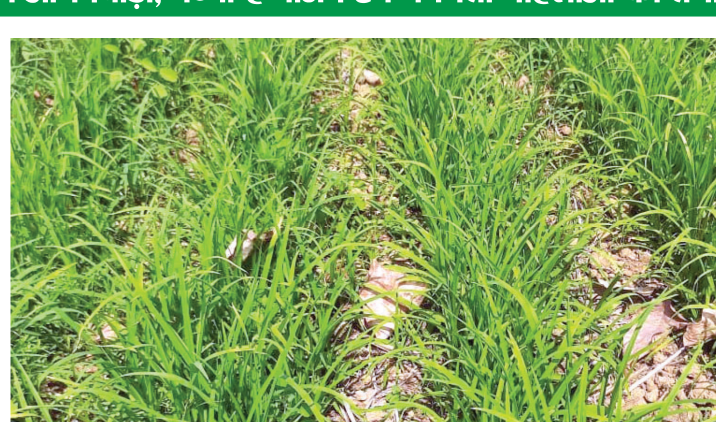

कृषि विभाग ने जिले के पांचों विकासखण्डों को 310 हेक्टेयर में 31 क्विंटल रागी बीज प्रति विकासखण्ड के मान से 155 क्विंटल बीज प्रदाय किया है। विभागीय अधिकारियों ने बताया कि महासमुंद विकासखण्ड में 220 हेक्टेयर, विकासखण्ड बागबाहरा में 210 हेक्टेयर, विकासखण्ड पिथौरा में 235 हेक्टेयर, विकासखण्ड बसना में 280 हेक्टेयर एवं विकासखण्ड सरायपाली में 310 हेक्टेयर में इस प्रकार कुल 1255 हेक्टेयर में क्षेत्राच्छादन किया जा चुका है। शेष लक्ष्य की पूर्ति नर्सरी से बोनी कर किया जा रहा है। धान की अपेक्षा कम पानी में रागी की फसल लिया जा सकता है।

इस योजनांतर्गत जिले के कुल 173 ग्रामों में 1826 कृषक लाभान्वित हो रहे है। 200 हेक्टेयर से अधिक में बीज निगम द्वारा बीज उत्पादन कार्यक्रम के तहत् पंजीयन भी किया गया है। प्रति एकड़ 10 क्विंटल उत्पादन होता है। उत्पादित रागी बीज का भोजन के रूप में उपयोग, आंगनबाड़ी, मध्यान्ह भोजन एवं गर्भवती महिलाओं को तथा कुपोषित बच्चों में कुपोषण को दूर करने के लिए किया जायेगा। मिलेट में छोटा अनाज और मोटा अनाज दोनों शामिल होते हैं। इन्हें पहाड़ी, तटीय, वर्षा, सूखा आदि इलाकों में बेहद कम संसाधनों में ही उगाया जा सकता है। एक तरफ मिलेट को उगाने में लागत कम आती है, वहीं इसका सेवन करने से शरीर को वो सभी पोषक तत्व मिल जाते हैं, जो साधारण खान-पान से मुमकिन नहीं है। यही वजह है कि अब बेहतर स्वास्थ्य के लिए चिकित्सक भी डाइट में 15 से 20 प्रतिशत मिलेट को शामिल करने की सलाह दे रहे हैं।

जानकारी के लिए बता दें कि मिलेट को साइज के आधार पर दो श्रेणियों में बांटा गया है। एक छोटा अनाज और एक मोटा अनाज, मोटा अनाज में ज्वार, बाजरा और रागी आते हैं। वहीं छोटा अनाज में कंगनी, कोदो, चीना, सांवा और कुटकी शामिल हैं।

अंतर्राष्ट्रीय पोषक अनाज वर्ष 2023 का भी उद्देश्य मिलेट की खपत को बढ़ाकर पोषण सुरक्षा सुनिश्चित करना है। इसके लिए 8 मिलेट्स को चिन्हित किया गया है। जिसमें ज्वार, बाजरा, रागी, कोदो, कुटकी, कंगनी, चीना, सांवा आदि शामिल हैं। लघु धान्य फसल के सेवन से होने वाले लाभ- कोदो, कुटकी, रागी, मोटा अनाज खाने से रक्तचाप को नियंत्रण करने में सहायक मिलेगा। रागी खाने से खून की कमी दूर होगा। रागी के सेवन से प्रचुर मात्रा में कैल्शियम उपलब्ध होने से हड्डियां मजबूत होगी। कुपोषित बच्चों एवं महिलाओं का कुपोषण दूर होगा। रक्त में मधुमेह (शुगर) नियंत्रित होगा।

खास खबर

मारपीट के मामलों में तीन महिलाओं को जेल

रायगढ़ (ए)। खरसिया क्षेत्र में मारपीट के दो मामलों में तीन महिला समेत 5 आरोपियों को पुलिस चौकी खरसिया स्टाफ द्वारा जेएमएफसी कोर्ट पेश किया गया । आरोपियों के कृत्य पर माननीय न्यायाधीश द्वारा सभी आरोपियों का जेल वारंट जारी किया गया जिसके पालन में आरोपियों को खरसिया पुलिस ने जेल दाखिल किया गया है। आवेदिका सुमन वैष्णव पति हेमंत यादव उम्र 26 वर्ष निवासी वार्ड नं. 03 हमालपारा खरसिया द्वारा पुलिस चौकी खरसिया में प्रस्तुत आवेदन पत्र की जांच पर पाया गया कि मंदिर निर्माण कार्य को लेकर रंजिश रखते हुये दिनांक 03.02.23 की रात 09:30 बजे आवेदिका के पति हेमंत यादव एवं माँ अरूणा वैष्णव के साथ आरोपिया अनिता यादव, रेणु यादव, सुमन यादव, रूपेश यादव आवेदिका के घर घुसकर गाली गलौच कर हाथ मुक्का व डण्डा से मारपीट किये और पलंग व एस्बेस्टर शीट को तोड़फोड़ कर क्षतिकारित किये। आवेदन जांच पर आहत हेमंत यादव व आहिता अरूणा वैष्णव का मुलाहिजा कराया गया। आहत हेमंत यादव के बांये हाथ पंजे की हड्डी फेक्चर होना पाया गया है तथा आहिता अरूणा वैष्णव की चोट सामान्य किस्म का है। आवेदन जांच पर आरोपियों अनीता यादव पति स्व. क्रांति यादव, रेनू यादव पिता निरंजन यादव, सुमन यादव पिता अशोक यादव, रुपेश यादव पिता चंद्रशेखर, सभी निवासी तलवापार हमालपारा वार्ड नंबर 3 खरसिया चौकी खरसिया के विरूद्ध धारा 452, 294, 506, 323, 325, 427, 34 आईपीसी का अपराध कायम कर आरोपियों को गिरफ्तार कर रिमांड बाद जेल दाखिल किया गया है। वहीं पिछले 2 माह से फरार मारपीट के मामले के आरोपी कमल यादव पिता नत्थू राम यादव निवासी ग्राम ढिमानी थाना खरसिया को आज चौकी प्रभारी खरसिया उप निरीक्षक अमिताभ खांडेकर द्वारा मुखबिर सूचना पर ग्राम ढिमनी से गिरफ्तार कर न्यायिक रिमांड पर कोर्ट पेश किया गया।

नाबालिग से दुष्कर्म के आरोपी को 20 साल की कैद

रायगढ़ (ए)। नाबालिग को बहला-फुसलाकर भगा ले जाने और शादी का झांसा देकर दैहिक शोषण करने के मामले में फास्ट टेक कोर्ट ने आरोपी युवक को 20 वर्ष कड़ी कैद और जुर्माने से दंडित किया है। अभियोजन का मामला संक्षेप में इस प्रकार है कि 02 जून 2020 को पीडिता के पिता द्वारा थाना चक्रधर नगर में पीडिता के गुम हो जाने के लिखित शिकायत इस आशय का किया गया कि पीडिता जो उसकी पुत्री है जिसकी उम्र 14 वर्ष है 01 जून 2020 को सुबह 06 बजे से घर से गायब हो गयी है। वे लोग काफी परेशान है, पीड़िता की खोजबीन किये जाने पर भी उसका पता नहीं चला, पीडिता के पिता के लिखित शिकायत के आधार पर थाना चक्रधर नगर में धारा 363 भा0 द0स0 का प्रथम सूचना रिपोर्ट पंजीबद्ध किया गया ।

विवेचना के दौरान पीड़िता के पिता द्वारा थाने में 07 जून 2020 को प्रस्तुत किये जाने पर पीडिता से पूछताछ किये जाने पर पीडिता द्वारा बताया गया कि घटना 07 जून 2020 तक पीडिता को शादी का झांसा देकर बहला फुसलाकर आरोपी चुकेश कुमार उरांव ले गया था और जबरदस्ती शारीरिक संबंध बनाकर शारीरिक शोषण करना बताये जाने पर पीडिता को गवाहों के समक्ष बरामद कर बरामदगी पंचनामा की कार्यवाही की गई। पीड़िता का महिला चिकित्सक से परीक्षण कराया गया। जिसमें अनाचार की पुष्टि होनें के बाद पुलिस ने आरोपी के खिलाफधारा 366, 376, 2 तथा लैंगिग अपराधों से बालकों का संरक्षण अधिनियम की धारा 4 व 6 को जोड़ कर आरोपी को गिरफ्तार करते हुए न्यायालय में पेश किया गया जहां से उसे जेल भेज दिया गया था। इस मामले में करीब पौने तीन साल तक न्यायालय में प्रकरण विचाराधीन रहने के दौरान इसकी सुनवाई चली और इस मामले में फास्ट ट्रेक कोर्ट की विशेष अदालत की माननीय न्यायाधीश प्रतिभा वर्मा की अदालत ने इस मामले में आरोपी को लगभग सभी धाराओं में दोष सिद्ध करार पाए गए।

शराब पार्टी के बाद विवाद, तीन दोस्तों ने मिलकर कर दी युवक की हत्या

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। भिलाई नगर थाना क्षेत्र में मंगलवार की रात को आपसी विवाद के बाद हत्या का मामला सामने आया है। पंथी चौक रुआबांधा में आधी रात के बाद चार लोग मिलकर शराब पी रहे थे। चारों दोस्त बताए जा रहे हैं। शराब पार्टी के दौरान तीन दोस्तों की चौथे से विवाद हुआ। विवाद इतना बढ़ा कि तीनों ने मिलकर एक की हत्या कर दी। घटना की सूचना के बाद भिलाई नगर पुलिस ने त्वरित कार्रवाई करते हुए तीनों आरोपियों को गिरफ्तार कर लिया है।

भिलाई नगर पुलिस से मिली जानकारी के अनुसार गांधी चौक रुआबांधा निवासी धरम राज सोनानी (24), सड़क 32 सेक्टर -9 निवासी बाली जाल (20), एमआईजी. 1/219 हुडको निवासी सुमीत जाल (20) साल तथा सेक्टर 09 सडक 32 निवासी शंकर ताण्डी (23) एक साथ बैठकर पंथी चौक रुआबांधा के पास शराब पी रहे थे। इस दौरान अचानक धरम राज का बाकी तीनों के साथ विवाद हो गया। घटना के तीनों ने अपने पास रखे धारदार हथियार से धरमलाल पर ताबड़तोड़ वार कर दिया। इससे उसकी मौके पर ही मौत हो गई।

घटना देर रात लगभग 1.25 बजे की है। हत्या की सूचना मिलते ही मौके पर पहुंची ने आरोपियों की तलाश शुरू कर दी। घटना स्थल जांच के बाद पुलिस ने तीनों आरोपी सड़क 32 सेक्टर -9 निवासी बाली जाल (20), एमआईजी. 1/219 हुडको निवासी सुमीत जाल (20) साल तथा सेक्टर 09 सडक 32 निवासी शंकर ताण्डी (23) को गिरफ्तार कर लिया है। प्रारंभिक जांच में हत्या की वजह आपसी विवाद बताया जा रहा है। फिलहाल पुलिस आरोपियों से पूछताछ कर रही है।

घरेलू विवाद में पत्नी की हत्या, शराबी पति चढ़ा पुलिस के हत्थे

रायगढ़ (ए)। घरेलू कलह में शराब के नशे में धुत्त एक मियां ने अपनी बीवी का सिर फोड़ते हुए उसे सजा-ए-मौत दे दी। यह वारदात घरघोड़ा थाना क्षेत्र की है। पुलिस ने फरार आरोपी को धरदबोचा है। प्राप्त जानकारी के अनुसार मेडिकल कॉलेज हॉस्पिटल में रातभर सघन उपचार के बावजूद घरघोड़ा थानांतर्गत ग्राम कोगनारा में रहने वाली चमेली चौहान पति घासीराम 32 वर्ष ने मंगलवार तडके तकरीबन 6 बजे दम तोड़ दिया। चूंकि मृतिका पर कातिलाना हमला हुआ था, इसलिए पुलिस ने पोस्टमार्टम के बाद शव को अंतिम संस्कार के लिए चौहान परिवार को सौंपते हुए उनका बयान भी कलमबंद किया।

परिजनों ने बताया कि दो लडकी और एक लड़के की मां चमेली रोजी मजदूरी कर घर चलाने में अपने पति का हाथ बंटाती थी। सोमवार दिनभर मजदूरी करने वाली चमेली शाम को घर गई तो वहां शराब पीकर पहुंचे घासीराम के साथ घरेलू बातों को लेकर कहासुनी हो गई। बच्चों के सामने विवाद होते देख चमेली घर से बाहर निकली तो घासीराम बौखला उठा। फिर क्या, गुस्से से तमतमाया घासीराम भी बाहर निकला, तो दोनों में जमकर तकरार हुई। इस बीच घासीराम ने आव देखा न ताव और वहां पड़े किसी सख्त चीज को अपनी बीवी के सिर के पीछे भाग में दे मारा। इसके बाद सामने हिस्से में भी प्राणघातक हमला कर दिया। नतीजतन, सिर फूटते ही खून बहने पर महिला बेहोश हो गई। ऐसे में रक्तरंजित महिला को बदहवास परिजन समीपस्थ घरघोड़ा के अस्पताल लेकर गए तो प्राथमिक इलाज कर चिकित्सकों ने उसे रायगढ़ रेफर कर दिया।

जिंदगी और मौत के बीच संघर्षरत 3 बच्चों की अधमरी मां को देर रात लगभग साढ़े 10 बजे मेकाहारा भी लाया गया, मगर डॉक्टर्स भी उसे बचा नहीं सके और अंततः वह चल बसी। बताया जाता है कि चमेली की मौत की खबर पाते ही हरकत में आई घरघोड़ा पुलिस ने फरार हो रहे घासीराम चौहान को हिरासत में लेकर उसके खिलाफ भादंवि की धारा 302 के तहत मुकदमा पंजीबद्ध किया है।

खाई में गिरी लकड़ियों से भरी ट्रक, एक की मौत और 8 घायल, आईटीबीपी के जवानों ने संभाला मोर्चा

श्रीकंचनपथ न्यूज

राजनांदगांव। छत्तीसगढ़ के राजनांदगांव जिले में मंगलवार दोपहर को लकड़ियों से भरी गहरी खाई में गिर गई। हादसा जिले के मलैदा व गट्टापार के बीच लगभग 3 किमी दूर बाबा डेरा के पास दोपहर करीब 1 से 2 के बीच हुई है। हादसे में एक की मौत हो गई वहीं ट्रक में सवार लगभग 8 लोग घायल हो गए। घायलों में कुछ गंभीर हैं। हादसे की सूचना मिलने के बाद आईटीबीटी के जवानों ने यहां बचाव कार्य शुरू किया और घायलों को अस्पताल पहुंचाया।

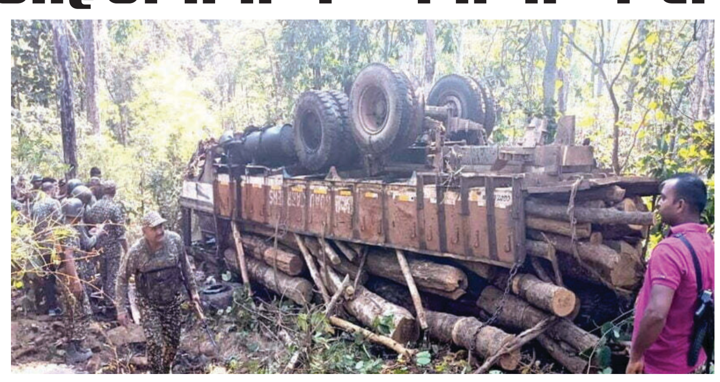

मिली जानकारी के अनुसार आईटीबीटी के जवानों को दोपहर को हादसे की सूचना मिली। सूचना देने वाले ने बताया कि लकड़ियां से भरी ट्रक सड़क किनारे खाई में गिर गया है। दुर्घटना की सूचना मिलने के बाद आईटीबीटी के राजपत्रित अधिकारी, 5 अधीनस्थ अधिकारी व 45 हवलदार व सिपाही सहित कुल 51 जवानों ने मोर्चा संभाला। सभी दुर्घटना स्थल पर पहुंचे और असिस्टेंट कमांडेंट संतोष कुमार के नेतृत्व में बचाव अभियान चलाया गया।

हादसे ममें एक व्यक्ति की मौत हो चुकी थी और 8 लोग गंभीर रूप से घायल थे। सभी को बचाव दल द्वारा निकाला गया। आइटीबीपी के द्वारा किये गये त्वरित राहत कार्य की स्थानीय लोगों ने अत्यंत प्रशंसा की है। आइटीबीपी के डीआईजी ओपी यादव एवं द्वितीय कमान ऑपरेशन जावेद अली द्वारा आइटीबीपी के डोंगरगढ़ कमान अधिकारी शैलेश कुमार डिप्टी कमांडेंट और बचाव दल का नेतृत्व कर रहे संतोष कुमार असिस्टेंट कमांडेंट को इसके लिए बधाई एवं शाबाशी दी गई है।

बड़ी मात्रा में नशीली दवाइयां जब्त

सुपेला पुलिस के हत्थे चढ़े नशे के सौदागर, तीन आरोपी गिरफ्तार

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नशे के सौदागरों के खिलाफ अभियान में सुपेला पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। सुपेला पुलिस ने क्षेत्र में नशीली दवाइयां बेचने की फिराक में घूम रहे तीन आरोपियों को धर दबोचा है। इनके पास से पुलिस ने 7200 नग नशीली दवाइयां व एक स्कूटी जब्त किया है। आरोपियों के खिलाफ 8/21 एनडीपीएस एक्ट के तहत कार्रवाई की है। बता दें दुर्ग एसपी डॉ. अभिषेक पल्लव ने नशीली दवाइयों का व्यापार करने वालों के खिलाफकार्रवाई का निर्देश दिया है। इसी कड़ी में चलाए जा रहे अभियान के तहत नशीली दवाइंयों के बिक्री करने वाले व्यक्तियों पर नजर रखी जा रही थी। इस दौरान सोमवार को मुखबिर की सूचना पर लक्ष्मी मेडिकल के सामने जीई रोड में नशीली दवाई बेचते हुए तीन युवकों को गिरफ्तार किया गया। इनके पास से SPASTRANCAN PLUS, DIY-CLOMINE HYDROCHLORIDE TRANADOL HYDROCHLORIDE ACETAMINOPHEN CAPSUL 50 पैकेट कुल 7200 नग एवं एक स्कूटी DUO CG 07 BP 3266 को जब्त किया गया। गिरफ्तार आरोपियों में राज कुमार डाकुवा निवासी शारदा पारा, सुहैल आलम निवासी केम्प 2 और दुर्गेश यादव निवासी शारदा पारा शामिल है। इस पूरी कार्रवाई में थाना प्रभारी सुपेला निरीक्षक दुर्गेश कुमार शर्मा, उप निरीक्षक लखेश गंगेश, आरक्षक जुनैद सिद्दीकी, विवेक सिंह, विशाल सिह, कपिल चौधरी, सुरेन्द्र गिरी का विशेष योगदान रहा।

4 साल की बच्ची से दुष्कर्म

स्कूल की वाइस प्रिंसिपल और क्लास टीचर गिरफ्तार बस कंडक्टर और प्रिंसिपल भी सलाखों के पीछे

कवर्धा (ए)। कवर्धा जिले के निजी गुरुकुल पब्लिक स्कूल में 4 वर्षीय बच्ची के साथ दुष्कर्म के मामले में स्कूल की वाइस प्रिंसिपल सोनाली पात्रा और क्लास टीचर अंजना किन्नौर को गिरफ्तार किया गया है। ड्यूटी में लापरवाही करने के लिए ये कार्रवाई की गई है। इस मामले में अब तक कुल 4 लोगों की गिरफ्तारी की जा चुकी है।

बच्ची के साथ रेप मामले में पुलिस ने बस कंडक्टर मुकेश यादव और स्कूल के प्रिंसिपल जगदीश सांखला को पहले ही गिरफ्तार कर लिया था। फिलहाल पुलिस मामले की जांच में जुटी है। स्कूल के डायरेक्टरों पर भी कार्रवाई की जा सकती है। वहीं कई सामाजिक संगठन स्कूल की मान्यता रद्द करने के लिए कलेक्टर को ज्ञापन सौंप चुके हैं।

ये है पूरा मामला

कवर्धा जिले के निजी गुरुकुल पब्लिक स्कूल में 4 वर्षीय बच्ची के साथ दुष्कर्म की घटना हुई। सबसे बड़ी बात तो ये कि रेप स्कूल में ही हुआ। दुष्कर्म के आरोपी कंडक्टर मुकेश यादव को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया। प्रिंसिपल जगदीश सांखला को सह आरोपी बनाते हुए उसे भी गिरफ्तार किया गया था। हालांकि प्रिंसिपल की भूमिका सामने नहीं आई थी। घटना सिटी कोतवाली क्षेत्र की है।

कवर्धा एसपी लाल उमेद सिंह ने कहा था कि मेडिकल में बच्ची के साथ यौन शोषण की पुष्टि हो चुकी है। उन्होंने कहा कि आरोपी कंडक्टर मुकेश यादव ग्राम चचेड़ी का रहने वाला है। उसने स्कूल कैंपस में ही रेप की घटना को अंजाम दिया था। किशोर न्याय अधिनियम यानि पॉक्सो एक्ट के तहत स्कूल के प्रिंसिपल जगदीश सांखला की भी गिरफ्तारी की गई थी। घटना 7 फरवरी मंगलवार की है। परिजनों ने बच्ची की हालत देखकर उससे पूछताछ की। तब उसने स्कूल में उसके साथ गंदा काम (रेप) होने की बात कही। इसके बाद परिजन पुलिस के पास पहुंचे और मामले की शिकायत की। पुलिस ने जांच की और कंडक्टर मुकेश यादव पर संदेह हुआ। बच्ची भी उसे देखकर बुरी तरह डरी दिखाई दी थी। इसके बाद मुकेश से कड़ाई से पूछताछ की तो उसने दुष्कर्म करना स्वीकार कर लिया था।

हाईटेंशन लाइन के नीचे मिला युवक का अधजला शव

कोरबा। रजगामार क्षेत्र में मंगलवार की सुबह हाइटेंशन लाइन के नीचे एक युवक का शव जला मिला। मामले में करंट की चपेट में आकर मौत होने की आशंका जताई जा रही है। घटनास्थल रजगामार के बैरियर के पास सोनाराम के टिकरा में हुई है, जहां ऊपर से 11 केवी की हाइटेंशन लाइन गुजरी है। सुबह लोगों ने एक युवक का शव अधजले हालत में देखा। पास ही बिजली तार भी पड़ा था, जिससे लोगों ने आशंका जताई कि करंट की चपेट में आकर झुलसने से युवक की मौत हुई होगी। घटना की सूचना रजगामार पुलिस को दी गई। पुलिस की टीम मौके पर पहुंची। मृतक की शिनाख्त का प्रयास किया। बाद में रजगामार के डीएम कॉलोनी निवासी जनक राम केवट ने मृतक को अपना पुत्र राजेश केवट (27) बताया। जनक राम के मुताबिक सोमवार की रात 9 बजे राजेश घर से खाना खाकर निकला था, जिसके बाद वह नहीं लौटा।

सेक्टर-6 एंव रिसाली के प्रतिष्ठित संस्थान विज्ञापन के लिए संपर्क करें:-
9303289950, 9827806026, 8962815243

Galaxy Granite
WholeSaler & Retailer
रायपुर से कम दामों में
All Type Of Tiles : Wall Tiles, Floor Tiles, Granite Sanitary & Null Fitting
सभी प्रकार के टाईल्स और ग्रेनाईट मिलने का एक मात्र स्थान
कोई भी टाईल्स लेने से पहले एक बार अवश्य पधारे...
Raja Steel Traders, Krishna Talkies, Road, Side of ZEE Maha Sale, Risali, Bhilai - 490006
K.K. Soni - 77479-88643, 9109509095

राकेश ट्रेडर्स
विगत 6 वर्षो से यह दुकान पानी टंकी के सामने स्थानांतरित हो गई है।
Dealers
Marbles, Grinight, Black Stone, Nano & Double Charge Verified Tiles Digital Wall & Floor Tiles Cement Coloru etc.
रायपुर रेट पर माल उपलब्ध | Rakesh Sahu 9302443750, 9907127357
Krishna Talkies Road, Beside Hariom Furniture, Risali, Bhilai - 490006

भिलाई मसाला उद्योग
शुद्ध कुटे हुए मसाले,पापड़, अचार, बड़ी, जड़ी-बूटी, जचकी का सामान इत्यादि
128, ए- मार्केट, सेक्टर-6, भिलाई, फोन. 2284508, मो. 9826137766

House of tiles
Complete Range of Tiles, Marble And Granite in One Shop
KESWANI TILSE
कृष्णा टाकिज रोड, राजा स्टील के सामने, रिसाली, भिलाई (छ.ग.)
Mo. _- 82349 - 21000

भिलाई की सबसे बड़ी चुड़ी की दुकान
निखार बैंगल
मो.- 9826186026
Shop-47, 'A' Market, Sec-6, Bhilai Nagar, Distt., Durg (C.G.)

भारतीय बैग हाउस
VIP happy journey
AMERICAN TOURISTER
फैंसी स्ट्राली, स्कूल बैग, ऑफिस बैग, सफर बैग, लेपटॉप बैग, फैंसी छतरी, रेनकोट इत्यादि के विक्रेता
कृष्णा टाकीज रोड, बैंक ऑफ बडौदा के बाजू में रिसाली भिलाई, संजय गुप्ता : 93003-77572

जान पर बन आया किडनी स्टोन, आरोग्यम में बची जान, कैजुअल्टी पहुंचने तक जा चुकी थी चेतना

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। बोरसी निवासी एक व्यक्ति की जान किडनी की पथरी की वजह से खतरे में पड़ गई। इसकी वजह से न केवल उसका रक्तचाप गिर गया बल्कि दिल ने भी धड़कना बंद कर दिया। जब तक मरीज को आरोग्यम सुपरस्पेशालिटी अस्पताल लाते, वह बेहोश हो चुका था। सीपीआर और बिजली का झटका देकर किसी तरह उसके हृदय को शुरू किया गया और फिर उसे आईसीयू में दाखिल किया गया। मरीज की स्थिति से परिजनों को अवगत करा दिया गया पर डाक्टरों ने हिम्मत नहीं हारी।

आरोग्यम के यूरोलॉजिस्ट डॉ नवीन राम दारूका ने बताया कि मरीज कृष्ण कुमार वर्मा को जब अस्पताल लाया गया तो उसे सांस लेने में काफी तकलीफ हो रही थी। कैजुअल्टी बेड पर आते तक वह बेहोश हो चुका था। हार्टबीट नहीं मिल रहा था और बीपी भी रिकार्ड किये जाने योग्य नहीं था। मरीज को तत्काल सीपीआर दिया गया और बिजली के झटके भी लगाए गए। मरीज की धड़कनें लौट आईं। मरीज को आईसीयू शिफ्ट कर वेंटीलेटर पर डाल दिया गया। मरीज की पत्नी गायत्री वर्मा और बेटी ऐश्वर्या बुरी तरह घबराए हुए थे। पर हमने हिम्मत नहीं हारी। डॉ दारूका ने बताया कि मरीज का हार्ट रेट 42 तक गिर गया था। साथ ही एसपीओ-2 लेवल भी गिरकर 55 पर पहुंच गया था और लगातार गिरता जा रहा था। एबीजी (आर्टीरियल ब्लड गैस) जांच में सीवियर मेटाबोलिक एसिडोसिस पाया गया। इसमें मरीज के शरीर में अम्लता बहुत बढ़ जाती है। मरीज का क्रिएटिनिन लेवल 24 तक पहुंच गया था। नेफ्रोलॉजिस्ट डॉ आरके साहू की सलाह पर मरीज का तत्काल डायलिसिस शुरू कर दिया गया।

डॉ दारूका ने बताया कि डायलिसिस शुरू होने के बाद मरीज का बीपी और पल्स नॉर्मल होने लगा। इसके बाद मरीज की सीटी स्कैन कराई गई। सीटी स्कैन से पता चला कि मरीज के किडनी में पथरी है। इसके कारण रक्त का प्रवाह बाधित हो रहा है। मरीज की किडनी में स्टेंट लगाने का फैसला किया गया। स्टेंट लगाने के बाद मरीज की हालत में तेजी के साथ सुधार होने लगा।

डॉ निमाई दत्ता ने बताया कि अब मरीज खतरे से बाहर है। स्टेंट लगने के बाद मरीज की किडनियां प्रतिघंटे 100 से 150 मिलीलीटर तक यूरिन पास कर रही हैं। हालांकि किडनी में पथरियां अभी हैं पर उन्हें निकालने में कोई जल्द बाजी नहीं की जाएगी। इधर कृष्ण कुमार वर्मा और उनका परिवार बेहद खुश है। उन्होंने कहा कि समय पर अस्पताल पहुंचने, सही निदान होने और सही दिशा में चिकित्सा प्रारंभ होने के कारण ही उनकी जान बच पाई। उन्होंने बताया कि इस अटैक से दो-तीन दिन पहले भी उन्हें चक्कर आ गया था।

उन्होंने इसके बाद अपना शुगर और क्रिएटिनिन जांच करवाया था। जब उन्हें क्रिएटिनिन के हाईलेवल का पता लगा तो अस्पताल जाने का फैसला किया। पर तब तक शायद काफी देर हो चुकी थी। अस्पताल पहुंचने के बाद उनके साथ क्या-क्या किया गया, उन्हें कुछ याद नहीं है।

जब उनकी आंखें खुलीं तो उन्होंने स्वयं को आईसीयू में पाया। इस बीच उनके साथ क्या क्या हुआ और परिवार पर क्या क्या बीती, उसकी जानकारी उन्हें अपनी बेटी और पत्नी से चली। उन्होंने आरोग्यम अस्पताल की पूरी टीम को उनके अथक प्रयासों के लिए बधाई दी। साथ ही कहा कि यह अस्पताल किडनी और पेशाब की समस्या से जूझ रहे मरीजों के लिए किसी वरदान से कम नहीं है।

खास - खबर

सेल-बीएसपी के विभिन्न विभागों का रिकॉर्ड तोड़ प्रदर्शन जारी

भिलाई। सेल-भिलाई इस्पात संयंत्र के ओर हैंडलिंग प्लांट ने 18 फरवरी 2023 को कुल 44,775 टन मटेरियल डिस्पैच का एक नया दैनिक कीर्तिमान बनाया है। ओएचपी ने 25 नवंबर 2022 को दर्ज 42,440 टन मटेरियल डिस्पैच के पिछले सर्वश्रेष्ठ रिकॉर्ड को पार करते हुए यह नया रिकॉर्ड बनाया है। इसी प्रकार संयंत्र की रेल एंड स्ट्रक्चरल मिल ने 19 फरवरी 2023 को 244 नग लांग रेलों की रोलिंग का एक नया रिकॉर्ड बनाते हुए 22 मार्च 2022 को बनाए गए 241 नग लांग रेलों के रोलिंग का पिछला रिकॉर्ड ध्वस्त किया। इसी क्रम में संयंत्र की वायर रॉड मिल ने 14 फरवरी 2023 को टीएमटी 10 मिलीमीटर वायर रॉड में 1614 टन का अब तक का सर्वश्रेष्ठ रोलिंग रिकॉर्ड दर्ज किया, जो कि 29 अक्टूबर 2022 को दर्ज 1590 टन के पिछले सर्वश्रेष्ठ रिकॉर्ड से बेहतर है। संयंत्र के सिंटर प्लांट 3 ने भी 12 फरवरी 2023 को 19011 टन सिंटर के उच्च उत्पादन स्तर को छूकर दैनिक उत्पादन का नया रिकॉर्ड बनाने में कामयाबी हासिल की। जो कि 28 जनवरी 2023 को बनाए गए पिछले सर्वश्रेष्ठ रिकॉर्ड 18821 टन से कहीं अधिक है। भिलाई इस्पात संयंत्र के निदेशक प्रभारी श्री अनिर्बान दासगुप्ता और कार्यपालक निदेशक (वर्क्स) श्री अंजनी कुमार ने रिकॉर्ड तोड़ प्रदर्शन के लिए सभी शॉप्स और उनकी सहायक एजेंसियों को बधाई दी।

प्रोपेन प्लांट में सुरक्षा सप्ताह

भिलाई। प्रोपेन प्लांट में सुरक्षा सप्ताह का शुभारम्भ किया गया। इस कार्यक्रम के विशिष्ट अतिथि मुख्य महाप्रबंधक श्री जी ए सोरते ने बताया की प्रोपेन प्लांट एक अति विस्फोटक क्षेत्र होने से सुरक्षा अति आवश्यक हो जाती है साथ ही उन्होंने विभाग द्वारा वर्ष 2005 से अब तक अर्जित शून्य दुर्घटना के कीर्तिमान की प्रशंसा की। मुख्य अतिथि श्री ए वाई जोशी ने सुरक्षा को आत्मसात करने पर बल देते हुए सुरक्षा अभ्यास पर जोर दिया। विभागाध्यक्ष व महाप्रबंधक (प्रोपेन प्लांट) रमेश प्रसाद अहिरवार ने सुरक्षा सर्वोपरि के सिद्धांत को अपनाने पर बल दिया। उन्होंने बताया की यह हाई एक्सीडेंट हैजार्ड विभाग है अत: समस्त वैधानिक दायित्व समय पर पूर्ण कर लिये जाते है। विभागीय सुरक्षा अधिकारी व सहायक महाप्रबंधक श्री पी डी सुन्दरानी ने सप्ताह भर के कार्यक्रम की रुपरेखा प्रस्तुत की एवं अधिक संख्या में भागीदारी का आव्हान किया। इस अवसर पर विभाग के समस्त अधिकारी व कर्मचारी तथा ठेका श्रमिकगण उपस्थित थे। इनमें प्रमुख हैं श्री डी पी सिंह तुंग, निलेश भांगे, जगन मूड, अनंत किस्कू, खगपति नाईक, संजय प्रसाद, मोहन लाल साहू, वैभव साहू, गोपिदास मानिकपुरी, नंदीकेश्वर बेन्या, धर्मेन्द्र चैधरी एवं निरन बेन्या। कार्यक्रम के अंत मे धन्यवाद प्रस्ताव ओसीटी श्री गौरव कुमार ने दिया।

पुनर्गठित पटवारी हल्कों में आंशिक संशोधन

दुर्ग। छत्तीसगढ़ शासन राजस्व एवं आपदा प्रबंधन विभाग व छत्तीसगढ़ राजपत्र में प्रकाशित अधिसूचना अनुसार जिले के तहसील दुर्ग, धमधा, पाटन, बोरी एवं भिलाई 3 को पुनर्गठित किया गया। कलेक्टर पुष्पेंद्र कुमार मीणा के निर्देशानुसार बीते दिनों तहसील गठन के फलस्वरूप पटवारी हल्कों को पुनर्गठित किया था, जिसमें आंशिक संशोधन किया गया है। इसके अंतर्गत दुर्ग तहसील के रिसाली मंडल में वर्तमान पटवारी हल्का नंबर 54, 22 तथा 57 के लिए प्रस्तावित नवीन पटवारी हल्का नंबर क्रमश: 48, 49, 50 है। जिसमें ह.न. 54 के अंतर्गत रूआबांधा, मरोदा, जोरातराई एवं नेवई ग्राम शामिल हैं। ह.न. 22 के अंतर्गत रिसाली तथा 57 के अंतर्गत ग्राम डुंडेरा शामिल है। इसी क्रम में तहसील एवं मंडल भिलाई-3 में वर्तमान प.ह.न. 1 हेतु प्रस्तावित ह.न. 4 है।

अनाधिकृत निर्माण का नियमितीकरण नहीं कराने पर भिलाई निगम ने 8 स्थानों पर सील बंद किया गया

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। नगर पालिक निगम भिलाई क्षेत्र अंतर्गत अनाधिकृत विकास व निर्माण को लेकर सर्वे किया जा रहा है और इन्हें नियश्रीमतीकरण के दायरे में लाने के लिए नोटिस थमाया जा रहा है। नोटिस मिलने के बाद भी नियश्रीमतीकरण नहीं कराने वालों पर भिलाई निगम कड़ी कार्रवाई कर रही है। आज भिलाई निगम ने ऐसे 8 स्थानों पर सील बंद करने की कार्रवाई की है। इस कार्रवाई में बड़े होटल एवं संस्थान, भवन और दुकान भी शामिल है।

नेहरू नगर जोन अंतर्गत दो स्थानों पर, वैशाली नगर जोन अंतर्गत 4 स्थानों पर तथा शिवाजी नगर जोन अंतर्गत 2 स्थान पर नियश्रीमतीकरण नहीं कराने वालों पर कार्रवाई करते हुए प्रतिष्ठान, संस्थान, भवन को सील बंद किया गया। उल्लेखनीय है कि निगम आयुक्त रोहित व्यास ने अनाधिकृत विकास व निर्माण का नियश्रीमतीकरण कराने के लिए सर्वे करने, शिविर लगाने तथा नोटिस जारी कर नियश्रीमतीकरण के दायरे में लाने के लिए कार्रवाई करने के निर्देश दिए है। इसके परिपालन में समस्त जोन क्षेत्र में नियश्रीमतीकरण को लेकर कार्रवाई की जा रही है। आज निगम प्रशासन की टीम होटल वत्स पहुंची यहां बेसमेंट में बने हुए 2 अलग-अलग स्टोर रूम को सील किया तथा नजदीक में बने वत्स के दूसरे होटल में निर्मित पार्टी हॉल, जिसमें विवाह एवं जन्मोत्सव से संबंधित कार्यक्रम होते थे इसे भी पुलिस प्रशासन की मौजूदगी में सील बंद कर दिया। वैशाली नगर जोन क्रमांक 2 क्षेत्र में वार्ड क्रमांक 14 शांति नगर क्षेत्र में नियश्रीमतीकरण नहीं कराने वाले चार भवन को निगम ने सील कर दिया। इसी प्रकार से शिवाजी नगर जोन क्रमांक 4 क्षेत्र में सपना टॉकीज पावर हाउस के समीप की 2 दुकान को नियश्रीमतीकरण नहीं कराने पर सील किया गया। निगम अनाल होंडा एवं होटल सेंट्रल पार्क के अनधिकृत निर्माण को भी सील बंद करने की कार्यवाही के लिए निकली थी, सूचना पाते ही इन दोनों संस्थान के संचालक नियश्रीमतीकरण कराने के लिए निगम दफ्तर पहुंच गए तथा नियश्रीमतीकरण के लिए कर आवेदन दिया, जिसके चलते इन दोनों संस्थानों पर कार्यवाही को रोक दिया गया। अपर आयुक्त अशोक द्विवेदी के निर्देश पर आज की कार्रवाई में जोन आयुक्त राजेंद्र नायक, येशा लहरे, पूजा पिल्ले, भवन अनुज्ञा अधिकारी हिमांशु देशमुख, उप अभियंता सिद्धार्थ साहू, सहायक राजस्व अधिकारी सुनील निमाड़े, बालकृष्ण नायडू, जगदीश तिवारी, भवन अनुज्ञा विभाग से दौलत चंद्राकर आदि अधिकारी/कर्मचारी मौजूद रहे। गौरतलब है कि भिलाई निगम के द्वारा बारंबार लोगों से अनाधिकृत विकास व निर्माण के तहत भवन अनुज्ञा के विपरीत निर्माण, मिली हुई स्वीकृति के विपरीत निर्माण, आवासीय प्रयोजन में व्यवसायिक निर्माण या बिना स्वीकृति के निर्माण का नियश्रीमतीकरण कराने की अपील की जा रही है, इसके लिए शिविर भी आयोजित किए जा रहे हैं, नियश्रीमतीकरण के दायरे में लाने के लिए नोटिस भी दिया जा रहा है। बावजूद इसके गंभीरता से नहीं लेने वाले भवन, संस्थान आदि को सील बंद करने की कार्रवाई की जा रही है, आगे भी इसी प्रकार की कार्रवाई जारी रहेगी। नियश्रीमतीकरण कराने की अधिक जानकारी के लिए भवन अनुज्ञा विभाग के उप अभियंता शहबाज अहमद के मोबाइल नंबर 9399414300 पर संपर्क किया जा सकता है तथा मुख्य कार्यालय सहित सभी जोन कार्यालय में नियश्रीमतीकरण के आवेदन किए जा सकते हैं।

कार्मिकों को 11 महीनों से अधिक की लीज जारी कर दी बीएसपी प्रबंधन ने

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। राज्य शासन के नियमों के मुताबिक प्रापर्टी की लीज अवधि 11 महीनों की होती है। उससे अधिक की लीज अवधि होने पर रजिस्ट्री करानी होती है और शासन को स्टांप शुल्क प्रदाय करना होता है। जिला प्रशासन के संज्ञान में आया है कि बीएसपी प्रबंधन ने कुछ मामलों में 30 साल की लीज कार्मिकों को प्रदाय की है। इस संबंध में बीएसपी प्रबंधन को नोटिस जारी करने कलेक्टर पुष्पेंद्र कुमार मीणा ने एसडीएम लक्ष्मण तिवारी को कहा है।

एसडीएम कोर्ट से जारी होगा नोटिस

कलेक्टर ने कहा कि इसकी वजह से ऐसे कार्मिकों के पास रजिस्ट्री पेपर नहीं है तथा शासन को भी इससे राजस्व में नुकसान हुआ है। बैठक के दौरान कलेक्टर ने रजिस्ट्री के वक्त एहतियातन हमेशा मकान की फोटो भी संलग्न कराने के लिए जिला पंजीयक को कहा। बैठक में भिलाई निगम आयुक्त रोहित व्यास एवं अन्य अधिकारी मौजूद थे। रसमड़ा में एयर क्वालिटी इंडेक्स अब 76, पहले 160 था- कलेक्टर ने बैठक में विस्तार से प्रदूषण की स्थिति की जानकारी ली। कलेक्टर ने विशेष रूप से रसमड़ा की स्थिति की समीक्षा की। यहां पर प्रदूषण के मसले को लेकर बीते दिनों गृह मंत्री ताम्रध्वज साहू ने अधिकारियों और ग्रामीणों की बैठक ली थी और प्रदूषण कम करने को लेकर पर्यावरण मंडल के अधिकारियों को निर्देशित किया था। इन पर हुए कामों की समीक्षा भी कलेक्टर ने की। मंडल के अधिकारी ने बताया कि पहले यहां एयर क्वालिटी इंडेक्स 160 था और अब यह घटकर 76 हो गया है। कलेक्टर ने कहा कि सभी औद्योगिक क्षेत्रों में नियमित रूप से एक्यूआई की समीक्षा होगी। साथ ही उन्होंने कहा कि लगभग 3000 उद्योग जिले में कार्यरत हैं इनके लिए 30 प्रतिशत जमीन पर पेड़ लगाना अनिवार्य है। महाप्रबंधक उद्योग को इस संबंध में जानकारी देने के निर्देश दिये गये ताकि सभी उद्योग अपनी पूरे लक्ष्य का प्लांटेशन करें। कलेक्टर ने रायपुर-दुर्ग एनएच में हर मीटर में एक पौधा लगाने का लक्ष्य लेकर कार्य करने कहा। एनएच के अधिकारियों ने कहा कि अभी 3 हजार पौधे लगने हैं जो बोगनविलिया और कनेर के होंगे। समस्या निवारण के लिए अगले हफ्ते दुर्ग में और भिलाई में होंगे कैंप- कलेक्टर ने कहा कि प्रशासन तुंहर द्वार अभियान अंतर्गत ग्रामीण क्षेत्रों में शिविरों का आयोजन किया जा रहा है। शहरी क्षेत्रों में भी इसी तरह के कैंप आयोजित होंगे ताकि लोगों की समस्या का मौके पर ही निराकरण हो सके। दुर्ग और भिलाई में अगले हफ्ते ऐसे एक-एक कैंप होंगे। इसमें निगम अधिकारियों के साथ ही जिलास्तरीय अधिकारी भी मौजूद रहेंगे। एक किमी पर ही होगा गैप, दुर्घटना रोकना सबसे अहम- कलेक्टर ने पाटन और दुर्ग सड़क में डिवाइडर के बीच के सारे गैप भरने के निर्देश दिये थे और एक किमी के बाद ही गैप रखने कहा गया था।

पेयजल की आपूर्ति लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी : वोरा

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। वरिष्ठ विधायक एवं राज्य भंडारगृह निगम के अध्यक्ष अरुण वोरा ने निगम के अधिकारियों को पेयजल की आपूर्ति के लिए मुश्तैद बने रहने के निर्देश दिए है। श्री वोरा ने कहा कि पेयजल की सप्लाई में लापरवाही बर्दाश्त नहीं की जाएगी। शहर के नागरिको को पीने के पानी समस्या नहीं होनी चाहिए। उन्होने कहा कि वे आने वाले दिनों में शहर के विभिन्न वार्डो में दौरा कर पेयजल की सप्लाई की जानकारी लेगे। सुराना कॉलेज वार्ड 40 के लगभग दर्जनभर महिला व पुरुषों ने मंगलवार को सुबह पद्मनाभपुर स्थित वोरा निवास में पहुंचकर विधायक से मुलाकात की और उन्हे वार्ड में उत्पन्न हुए पेयजल संकट से अवगत कराया। नागरिकों का कहना था कि गर्मी के मौसम के प्रारंभ होने में दो माह का समय शेष है। लेकिन शहर में पानी की समस्या अभी से शुरु हो गई है। सुराना कॉलेज वार्ड में पेयजल की सप्लाई अव्यवस्थित तरीके से हो रही है। सुबह-शाम दोनो समय पर्याप्त मात्रा में पानी नहीं मिल पा रहा है। कुछ स्थानों में एक बूंद पानी भी नहीं मिल रहा है। नागरिको की समस्याओं को सुनने के बाद श्री वोरा तत्काल हरकत में आए और निगम के जल विभाग के अमले को बुलवाकर वार्ड में पेयजल व्यवस्था को सुनिश्चित करने के निर्देश दिए। श्री वोरा ने कहा कि पानी की जरुरत बुनियादी समस्या का महत्वपूर्ण अंग है यह नगर निगम की पहली प्राथमिकता है। इसमें किसी भी तरह की लापरवाही नहीं होनी चाहिए।

दुर्ग कलेक्टर की बड़ी कार्रवाई

लापरवाही बरतने वाले 6 पटवारी और एक आरआई पर होगी निलंबन की कार्रवाई

श्रीकंचनपथ न्यूज

दुर्ग। राजस्व प्रकरणों के निराकरण की समीक्षा करते हुए कलेक्टर पुष्पेन्द्र कुमार मीणा ने लापरवाही पाए जाने पर 6 पटवारियों और एक आर.आई. के निलंबन प्रस्ताव भेजने के लिए अनुविभागीय अधिकारियों को कहा। उनमें धमधा अनुविभाग के 4 पटवारी तथा पाटन अनुविभाग के 2 पटवारी तथा 1 राजस्व निरीक्षक शामिल हैं। कलेक्टर पुष्पेन्द्र मीणा ने मंगलवार को समीक्षा बैठक में पाया कि इन्होंने विभिन्न प्रकरणों में अपने प्रतिवेदन भेजने में काफी विलंब किया। जिसकी वजह से इन प्रकरणों का निराकरण रूका रहा।

राजस्व अमले के जिन पटवारियों पर कार्रवाई की गई उनमें धमधा हल्का नंबर 1 के पटवारी केशव लाल साहू शामिल हैं। इन्होंने त्रुटिपूर्ण गिरदावरी की थी और काम पर सक्षम अधिकारी की अनुमति के बगैर अनुपस्थित रहे। पटवारी हल्का नंबर 50 धमधा के श्री लोकेश्वर सिंह ठाकुर पर पटवारी हल्के में समय पर नहीं रहने की वजह से कार्रवाई की गई। पटवारी हल्का नंबर 49 के पटवारी नवीन मिश्रा पर समय पर हल्के में नहीं रहने की वजह से कार्रवाई की गई। साथ ही आम जनता से भी सौहार्दपूर्ण व्यवहार नहीं होने की शिकायत थी।

धमधा तहसील के पटवारी हल्का नंबर 38 के पटवारी योगेश कुमार बँधेया पर भी कार्रवाई की गई। इन्होंने शासकीय दायित्व को समय पर पूरा नहीं किया। पटवारी हल्के पर समय पर नहीं रहते थे और ग्रामीणों से सौहार्दपूर्ण व्यवहार नहीं था। पाटन के पीकेश जायसवाल पटवारी हल्का नंबर 53 गातापार को स्थानांतरण के पश्चात भी कार्यभार ग्रहण नहीं करने पर कार्रवाई की गई। पटवारी हल्का क्रमांक 46 बीजभाठा के पटवारी ईश्वर सेवई पर समीक्षा बैठक में अनुपस्थित रहने तथा प्रतिवेदन विलंब से देने की वजह से कार्रवाई की गई।

मिसेज यूनिवर्स में खिताब लेकर लौटी प्रेरणा का हुआ भव्य स्वागत

सांसद बघेल और महापौर शशि ने भी घर पहुंच कर दी बधाईयां, बघेल ने सुनाया अपना पसंदीदा गीत

श्रीकंचनपथ न्यूज

भिलाई। मिसेज यूनिवर्स 22 -23 प्रतियोगिता में यूरोपियन देश बल्गारिया की राजधानी सोफिया से दो खिताब अपने नाम कर स्वदेश लौटने पर प्रेरणा धाबर्डे का स्वागत रायपुर एयरपोर्ट से लेकर तालपुरी निवास स्थान तक बेहद गर्मजोशी के साथ किया गया।

जगह-जगह बड़े-बड़े होर्डिंग ,बैनर और कट आउट लगाए गए थे। लगभग 500 से अधिक छत्तीसगढ़वासियों ने रायपुर एयरपोर्ट पर मिसेज प्रेरणा धाबर्डे मिसेज यूनिवर्स बेस्ट परफॉर्मर, मिसेज यूनिवर्स सेंट्रल पेसिफिक एशिया खिताब जीतने पर स्वागत ,फूल माला और फूलों के गुलदस्ते से किया गया।

बैंड बाजा और 40 गाड़ियों का काफिला एयरपोर्ट से खुली गाड़ी में पटाखों आतिशबाजी के साथ रायपुर चौक ,कुम्हारी और पावर हाउस चौक भिलाई में रुका। जहां विभिन्न समाज व संगठनों के प्रतिनिधियों ने मिसेज यूनिवर्स प्रेरणा धाबर्डे का स्वागत किया। पावर हाउस चौक पर डॉ बाबासाहेब आंबेडकर की प्रतिमा पर माल्यार्पण कर यह काफिला सेक्टर-1 बैंक के पास रुका। यहां पर भी दुर्ग भिलाई के निवासियों ने पटाखे फोड़ और ढोल पर नृत्य कर अपना खुशी जाहिर की और फूल मालाओं से प्रेरणा धाबर्डे को लाद दिया। यहां से प्रेरणा धाबर्डे को खुली बग्गी पर बैठाकर बैंड बाजे के साथ ले आगे बढ़ा।

सेक्टर 1,चौक और ग्लोब चौक पर विभिन्न समाज,समितियों और जाति धर्म के लोगों ने किया और उन्हें छत्तीसगढ़ का और भारत का गौरव कहा। इसके पश्चात यह काफिला रूआबांधा बस्ती के पास रुका जहां के श्रमिक परिवारों ने नाच गाकर स्वागत किया और सभी लोगों को जलपान का प्रबंध किया गया। रूआबांधा झिरिया पारा बस्ती से लगभग 500 लोगों का काफिला, और 40- 50 गाड़ियों में लोग गेट नंबर 2 ताल पुरी के पास पहुंचा। जहां पर आतिशबाजी की गई और पटाखे फोड़े गए। ढोल नगाड़ा और फूल मालाओं से स्वागत अभिनंदन किया गया। यह कारवां प्रेरणा विला तालपुरी पर जाकर समाप्त हुआ। जहां पर सभी के लिए भोजन की व्यवस्था की गयी थी। तालपुरी स्थित धाबर्डे निवास में दुर्ग सांसद विजय बघेल ने पहुंचकर प्रेरणा को बधाई दी। छत्तीसगढ़ और भारत का गौरव बढ़ाने के लिए आशीर्वाद दिया और अपना पसंदीदा गीत चांद सी महबूबा हो मेरी भी सुनाया। रिसाली नगर निगम महापौर शशि सिन्हा ने यहां पंहुच प्रेरणा धाबर्डे से मिलकर इस उपलब्धि के लिए बधाई दी और इस उपलब्धि को भारतीय नारी शक्ति और सौंदर्य का सम्मान बताया। तालपुरी निवास पर भोजन के साथ देर रात तक रंगारंग गीतों का कार्यक्रम भी चलता रहा और विभिन्न समाज और संगठन के लोग बधाइयां देने आते रहे। प्रेरणा धाबर्डे ने आए सभी लोगों का दिल से साधुवाद दिया, शुक्रिया अदा किया।

स्वत्वाधिकारी, मुद्रक, प्रकाशक राजेश अग्रवाल द्वारा मिशन मीडिया प्रा. लि. छत्तीसगढ़ भवन, प्रेस काम्पलेक्स, रजबंधा मैदान, रायपुर (छ.ग.) से मुद्रित कर, 204 आकाशगंगा सुपेला, भिलाई जिला दुर्ग (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक राजेश अग्रवाल shreekanchanpath2010@gmail.com, Mo - 9303289950